ALIVE NEWS
अलाईव न्यूज़

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 13 Issue No. 24 Faridabad (NCR) Thursday, 16-31 January 2025 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/24-26 Page : 8

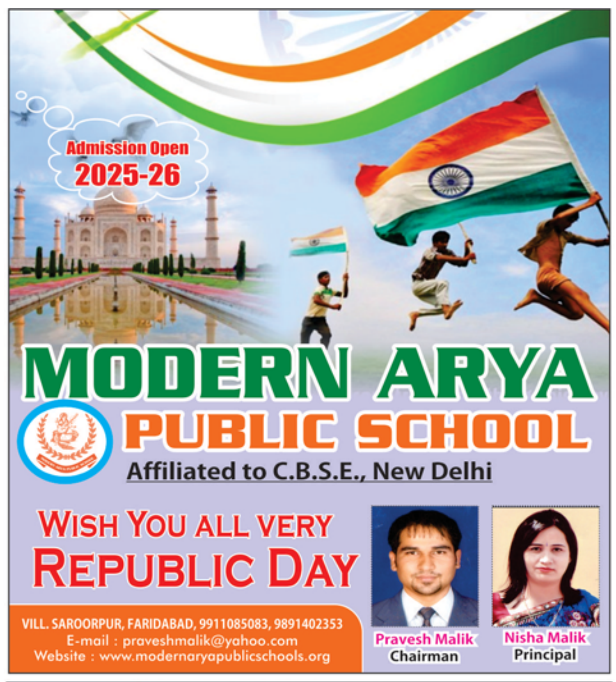

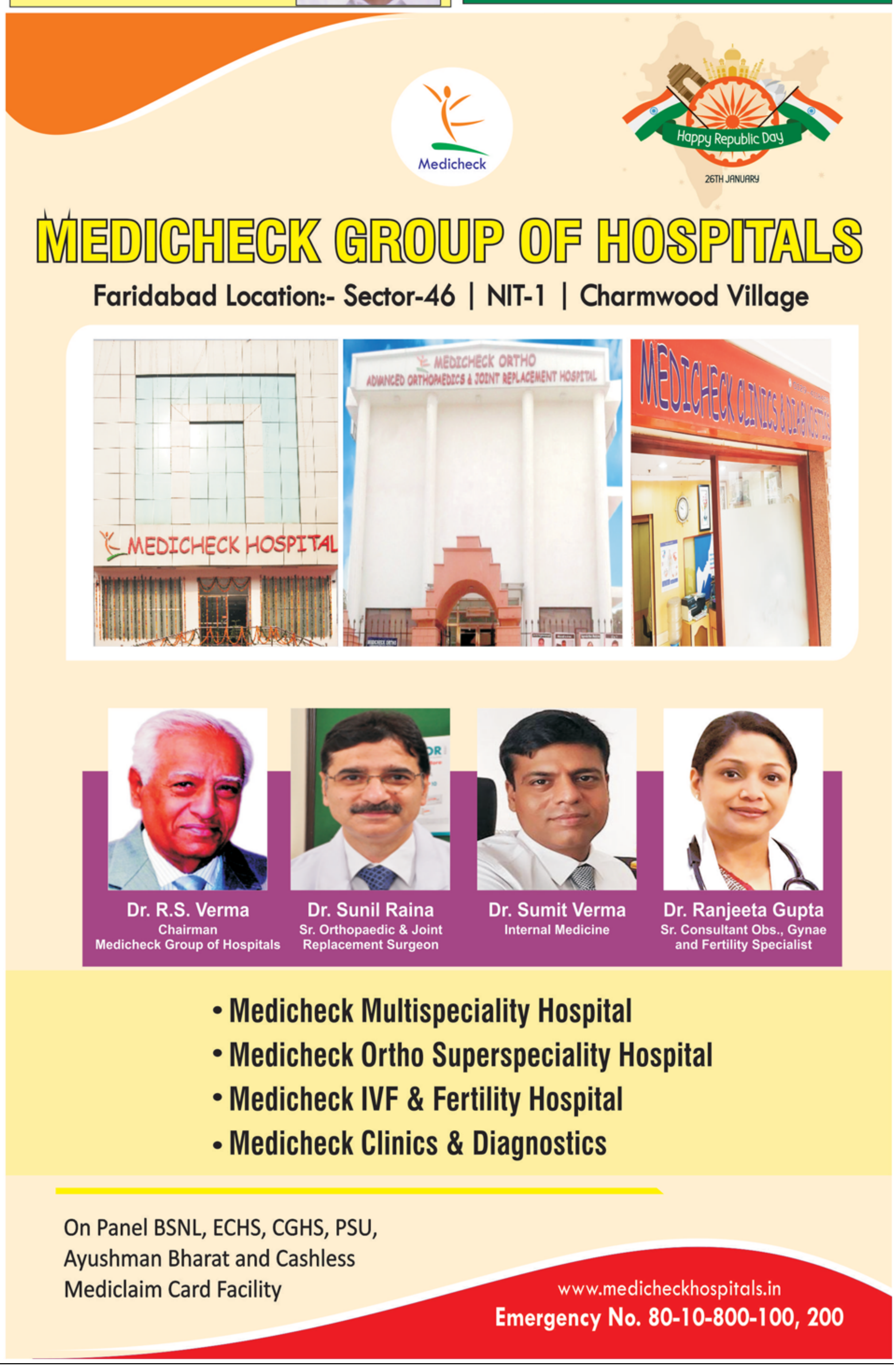

सेल्फ एम्प्लॉयमेंट का जरिया ऑर्गेनिक खेती

देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, वहीं यह सेक्टर पचास फीसद से ज्यादा आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में जिस तरह से कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है, इसमें नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ा है, पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऑर्गेनिक और इनोवेटिव फार्मिंग हो रही है, उसने एग्रीकल्चर के प्रति समाज और खासकर युवाओं का नजरिया काफी हद तक बदला है। यही कारण है कि बीते कुछ समय में आईआईटी और आईआईएम से पास-आउट कई युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों की जॉब छोड़कर एग्रीकल्चर और एग्रीबिजनेस की ओर रुख किया है। इनके अलावा भी दूसरे सेक्टरों में काम करने वाले युवा हॉर्टिकल्चर, डेयरी, ऑर्गेनिक और पोल्ट्री फार्मिंग जैसे पेशे से जुड़ रहे हैं। उन्हें गर्व है कि वे देश और किसानों के लिए कुछ सकारात्मक कर पा रहे हैं। ऑर्गेनिक खेती का जिक्र तो आजकल बहुत हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि अगर किसी को इसमें करियर बनाना है, तो वह क्या करे। गौरतलब है कि यह ऐसी खेती है, जिसमें सिंथेटिक खाद, कीटनाशक आदि जैसी चीजों के बजाय तमाम ऑर्गेनिक चीजें जैसे गोबर, वर्मी कंपोस्ट, बॉयोफर्टिलाइजर्स, क्रॉप रोटेशन तकनीक आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कम जमीन में, कम लागत में इस तरीके से पारंपरिक खेती के मुकाबले कहीं ज्यादा उत्पादन होता है। यह तरीका फसलों में जरूरी पोषक तत्वों को संरक्षित रखता है और नुकसानदेह केमिकल्स से दूर रखता है। साथ ही यह पानी भी बचाता है और जमीन को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रखता है। यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

कैसे करें शुरूआत?

अगर आपको ऑर्गेनिक खेती शुरू करनी है, तो सबसे पहले आपको इसका प्रोजेक्ट या ब्लू प्रिंट बनाना होगा। यह तय करना होगा कि कितनी जमीन पर यह खेती करेंगे। जमीन की लोकेशन क्या है? जमीन किस फसल के लिए अच्छी है? आपका बजट कितना है? यह प्रोजेक्ट किसी भी चार्टर्ड एकाउंटेंट से बनवा सकते हैं। इसके बाद आपको फॉर्म 1 ए-1, 1 ए-3, 1जी और फॉर्म 11 भरकर रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अपने राज्य के डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन में जमा करना होगा।

सरकार देती है सब्सिडी

कृषि वैज्ञानिक आपकी जमीन की जांच करेंगे और यह तय करेंगे कि इसकी मिट्टी किस फसल की खेती के लिए अच्छी है। इसके बाद आपका प्रोजेक्ट कृषि विभाग में पास होने के लिए भेज दिया जाएगा। ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए तकरीबन हर राज्य में सरकार 80 से 90 फीसद तक सब्सिडी देती है। मतलब यह आपको पूरे प्रोजेक्ट में 10 से 20 फीसद ही इनवेस्ट करना होगा। प्रोजेक्ट पास होने के बाद ऑर्गेनिक फार्मिंग टेक्निक वाली कंपनियां सेटअप लगाने के लिए आपसे खुद संपर्क करती हैं। सरकार से मिले पैसों से ये कंपनियां आपकी जमीन पर ग्रीन हाउस और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सेटअप लगाती है। साथ ही आपको ट्रेनिंग भी देती हैं।

पूरे देश में चल रहा प्रोजेक्ट

सरकार की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है। इसके सेंटर की वेबसाइट से आप और भी जानकारी ले सकते हैं। दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट से भी पूरी जानकारी और ट्रेनिंग ले सकते हैं।

सिर्फ मानसून पर निर्भर नहीं कृषि

कृषि अब पूरी तरह से मानसून पर निर्भर नहीं है। वैज्ञानिक तरीके से अगर खेती की जाए, तो फसल भी अच्छी होती है और पानी भी कम लगता है। पहले जैसे सूखे के हालात अब नहीं पैदा होते। अब बारिश के पानी का स्टोरेज भी बेहतर तरीके से किया जाता है। इससे बारिश कम होने पर भी फसलों को पर्याप्त पानी मिल जाता है। एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई भी की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टरों में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।

फाइन आर्ट्स में लीजिए डिग्री मिलेंगे बेहतरीन कॅरियर विकल्प

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

क्या आप स्केचिंग, ड्राइंग और रचनात्मकता करना पसंद करते हैं? यदि हां, तो फिर ललित कला में अध्ययन आपके लिए अनुकूल होगा। ललित कला कला का एक अच्छा संग्रह है जो सुंदर चीजों को बनाने के लिए किया जाता है। ललित कला में स्नातक आपको ललित कला में कॅरियर के लिए सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार कर सकता है।

ललित कला में स्नातक क्या है?

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

अधिकांश कार्यक्रमों में रचनात्मक अभ्यास के घंटों के साथ-साथ कक्षा निर्देश शामिल हैं। अंतत:, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री आपको कला में विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों के साथ एक अच्छी तरह से शिक्षा प्रदान करती है। मुख्य ललित कलाएं फिल्म, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वास्तुकला, मिट्टी के बर्तन, वैचारिक कला, मूर्तिकला, संगीत, प्रिंटमेकिंग, इंटीरियर डिजाइन और नाटक हैं। यह छात्रों को कलाकार बनने और कला के निर्माण से जुड़ी अन्य प्रथाओं का पालन करने के लिए सिखाता है और तैयार करता है। अरस्तू के अनुसार, ''कला का मुख्य उद्देश्य चीजों की बाहरी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करना है, बल्कि उनके आंतरिक महत्व का भी प्रतिनिधित्व करना है''।

पाठ्यक्रम और अवधि

ललित कला पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न संस्थानों द्वारा पेश किए जाते हैं। आप ललित कला में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है।

डिप्लोमा कोर्स

ललित कला में डिप्लोमा : यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह कोर्स 12वीं के बाद किया जा सकता है।

स्नातक के अंतर्गत का पाठ्यक्रम :

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) या बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स (बीवीए) : इस कोर्स की अवधि 4 से 5 साल है।

ललित कला में कला स्नातक (बीए) : यह तीन साल की अवधि का कार्यक्रम है।

परास्नातक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स (एमवीए) : यह दो साल की अवधि का कार्यक्रम है।
- ललित कला में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) : इस पाठ्यक्रम की अवधि आम तौर पर दो वर्ष की होती है।
- कुछ संस्थान पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। दो प्रसिद्ध संस्थान इग्नू, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पत्राचार में ललित कला पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

ललित कला में आवश्यक कौशल

- आपके द्वारा बनाई गई ड्राइंग आगंतुक की नजर में यथार्थवादी होनी चाहिए।
- आपको कला सामग्री और उनका उचित उपयोग कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए।
- अपने काम की प्रस्तुति और प्रदर्शन उचित तरीके से और सटीक होना चाहिए।
- आपके पास रचनात्मकता होनी चाहिए।
- रंग और रंग सिद्धांत के साथ प्रयोग की जाने वाली तकनीकें होनी चाहिए।
- संचार और पारस्परिक कौशल आपके भीतर मौजूद होनी चाहिए।
- आपको कुछ नवीनतम तकनीकों के साथ उपयोग किए जाने वाले सभी डिजिटल मीडिया का ज्ञान होना चाहिए।

प्रमुख जॉब प्रोफाइल इस प्रकार हैं :

- आर्ट थेरेपिस्ट
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- ड्राइंग टीचर
- सेट डिजाइनर
- प्रोडक्शन आर्टिस्ट
- म्यूजिक टीचर
- रचनात्मक निदेशक
- संपादक
- फर्नीचर डिजाइनर
- कला निर्देशक
- 3डी कलाकार
- एनिमेटर

रोजगार के क्षेत्र :

- विज्ञापन कंपनियां
- बुटीक
- कला स्टूडियो
- थियेटर
- सिलाई की दुकानें
- फैशन हाउस
- शिक्षा संस्थान
- टेलीविजन उद्योग
- एनीमेशन
- शिक्षण
- वस्त्र उद्योग
- स्कल्पचर

सैलरी पैकेज

वेतन नौकरियों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। ललित कला में स्नातक 2 से 3 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच कमा सकता है। हालांकि यह उनकी प्रतिभा के आधार पर निर्भर करता है। अनुभव और ज्ञान के साथ-साथ सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी होती रहती है। जो लोग विज्ञापन एजेंसियों और पब्लिशिंग हाउसेस में काम करना चाहते हैं, वे लगभग 4 से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक वेतन कमा सकते हैं।

एडमिशन

- आप किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्च माध्यमिक शिक्षा (12वीं) की परीक्षा पूरी करने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप कुछ बीएफए संस्थानों द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि आप मास्टर प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको ललित कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

कुछ प्रसिद्ध कॉलेज जो ललित कला में यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं :

- हैदराबाद विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
- एमिटी विश्वविद्यालय
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, दिल्ली

कॅरियर और नौकरियां

आज विभिन्न क्षेत्रों में ललित कला के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्कृष्ट वेतन, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए, भारत की युवा आबादी इस क्षेत्र में आकर्षित हो रही है।

- स्नातक पूरा करने के बाद छात्रों के पास एक कला शिक्षक, सरकारी कार्यालयों में कलाकार या फोटोग्राफर के रूप में काम करने का विकल्प होता है। आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता के रूप में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं और निर्देशन, कपड़े, फोटोग्राफी, टेलीविजन और फैशन के लिए जा सकते हैं।
- आप अकादमिक, वास्तुकला और फिल्म उद्योग में भी करियर बना सकते हैं। आप प्रकाशन या कपड़ा उद्योग में पत्रिकाओं, विज्ञापन एजेंसियों और समाचार पत्रों के रचनात्मक विभागों में शामिल हो सकते हैं।
- ललित कला स्नातक मुख्यधारा के स्नातक रोजगार और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रशिक्षण के लिए भी आवेदन कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, बैंकिंग, आर्ट गैलरी, बीमा, मीडिया और जनसंपर्क।
- उम्दा कलाकार विभिन्न प्रकार के मीडिया और तकनीकों का उपयोग करके कलाकृति का निर्माण करने का काम करते हैं।
- आप अपने काम को संग्रहालयों, निजी दीर्घाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं या निजी संग्रह रख सकते हैं और अपने काम के लिए पुरस्कृत हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई वस्तुएं स्टूडियो, नीलामी, स्टोर या कला और शिल्प शो में बिकेंगी।
- फाइन आर्ट्स में स्कोप काफी अच्छा है, आप इस प्रोफेशनल कॅरियर के तहत सम्मान और पैसा दोनों कमा सकते हैं। मल्टीमीडिया कलाकार और एनिमेटर मोशन पिक्चर या वीडियो गेमिंग उद्योगों में काम करते हैं।

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी में गोल्डन करियर

ऊर्जा का अहम स्त्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत पेट्रोलियम पदार्थों की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। अगर आंकड़ों की मानें तो पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में भारत विश्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

संभावनाएं

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं।

कोर्स

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्त्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

संस्थान

- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
- डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, असम
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, इंस्टीटयूट ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज एंड कैमिकल इंजीनियरिंग, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, दिल्ली
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
- डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी सागर, मध्य प्रदेश
- महाराष्ट्र इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, महाराष्ट्र

डायनेस्टी स्कूल में धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

Faridabad/Alive News

डायनेस्टी इंटरनेशनल स्कूल में शनिवार को गणतंत्र दिवस के समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल निदेशिका कल्पना वर्मा ने ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ किया। कार्यक्रम मे कक्षा नर्सरी से लेकर आठवीं तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों के तहत अपनी प्रतिभागिता दर्ज की 7 छात्र-छात्राओं ने इस अवसर पर देशभक्ति गीत गाये,भाषण एवं नृत्य प्रस्तुत किये 7 जो अत्यंत भाव-विभोर कर देने वाले थे 7 इन प्रस्तुतियों को देते समय विद्यार्थियों के चेहरे पर देशभक्ति के भावों की जो झलक दृष्टिगोचर हो रही थी वह मन को मोह लेने वाली थी भारत के संविधान लागू होने के दिवस का गर्व प्रत्येक विद्यार्थी के मुख-मंडल पर सूर्य की चमक की भांति सुशोभित हो रहा था 7 इसी देशभक्ति के भाव के साथ कार्यक्रम अत्यन्त धूमधाम के साथ संपन्न हुआ

नीलम चौक की खूबसूरती पर दाग बना फुटपाथ पर पड़ा कूड़े का ढ़ेर, सफाई के दावों की खुली पोल

Swaranjali/Alive News

फरीदाबाद : देश के महान नेताओं की प्रतिमा से घिरे और एनआईटी की पहचान नीलम चौक के रेलवे रोड पर बेरी के पेड़ की छटाई कर टहनियां और पत्ते सड़क के किनारे बने फुटपाथ पर डाल दिये है। इन टहनी और पत्ते की वजह से पैदल चलने वाले लोगों का फुटपाथ पर चलना बंद हो गया है। ताज्जुब की बात है कि कूड़ा देखकर आसपास के लोगों ने शहर के मुख्य चौराहे के फुटपाथ को कूड़ा डालकर खत्ता बनाना शुरू कर दिया है। इस गंदगी की वजह से पैदल चलने वाले लोगों का सड़क से आवागमन करना मुश्किल हो रहा है। यह समस्या न केवल पैदल चलने वालों के लिए खतरनाक है, बल्कि यह स्वच्छता अभियान और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए भी चुनौती है। मजे की बात तो यह है कि इस सड़क के चौराहे से नगर निगम के अधिकारी, बड़खल के विधायक गुजरते हैं, लेकिन यूको बैंक के सामने फुटपाथ पर पड़ा कूड़ा-करकट दिखाई नही दे रहा।

दरअसल, एनआईटी पांच नीलम चौक रेलवे रोड पर रोजाना हजारों की संख्या में लोग यहां से आवागमन करते हैं। कुछ लोग पैदल भी गुजरते हैं। फुटपाथ पर पेड़ की टहनी और कूड़ा-करकट होने की वजह से लोग चलने के लिए सड़क का सहारा ले रहे हैं। ऐसे में पैदल चलने वाले लोगों के साथ दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। नगर निगम के कर्मचारी और अधिकारी समस्या को देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं। हालांकि यहां के लोगों ने पेड़ की टहनी और कूड़ा-करकट उठाने के लिए सम्बंधित कर्मचारी और अधिकारी को फोन से शिकायत दी है लेकिन कर्मचारी और अधिकारी के कानों पर जूं तक नहीं रैग रही।

क्या कहना है लोगों का

यह समस्या कई दिनों से बनी हुई है और हमें मजबूरन सड़क से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। हमने नगर निगम अधिकारियों से फोन से शिकायत दी है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

-शोभा, राहगीर महिला

यह बहुत ही खतरनाक स्थिति है। मेरे बच्चे स्कूल जाने के लिए इसी सड़क से गुजरते हैं और मुझे उनकी सुरक्षा की चिंता रहती है।

-मालती, राहगीर एवं एसी नगर निवासी।

यह समस्या न केवल पैदल चलने वालों के लिए खतरनाक है, बल्कि यह हमारे व्यवसाय के लिए भी नुकसानदायक है। हम ग्राहकों को साफ-सुथरा माहौल देना चाहते हैं, लेकिन चौक पर से किसी ने बेरी का पेड कटवाकर टहनिया फुटपाथ पर डाल दी है और अब लोगों ने कूड़ा-करकट डालना शुरू कर दिया है। इस से कूड़े का डेर बढ़ रहा है।

-संजीव मंडल-स्थानीय नीलम चौक व्यवसायी।

अचिवर्स सोसायटी में अब नही होगी पानी की किल्लत, हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

Faridabad/Alive News

सेक्टर 49 अचिवर्स सोसायटी के लोगों ने बताया कि सोसयटी में लगे ट्यूबवैल का जलस्तर घटने की वजह से लोगों को पानी नहीं मिल पा रहा था समाधान शिविर में शिकायत देने के बाद भी समस्या का समाधान नही हुआ तो लोगों ने हाईकोर्ट का सहारा लिया।

लोगों के अनुसार अचीवर्स सोसायटी में करीब चार हजार लोग रहते हैं और सोसायटी में दो ट्यूबवेल लगाए हुए हैं जिनकी जलापूर्ति कम होने की वजह से सभी लोगों को पानी नही मिल पाता था। जिसके बाद आरडब्लूयए ने बोरिंग कराकर पानी की व्यवस्था को दुरुस्त कराया था। लेकिन पिछले तीन साल से यह समस्या दोबारा होने लगी। शिकायत के बाद प्रशासनिक अधिकारियों का कहना था कि सोसायटी में पानी सप्लाई करवाना बिल्डर का काम है। सोसायटी के सभी फंड बिल्डर वसूल करता है। बिल्डर को समाधान शिविर में आने के लिए कहा गया, लेकिन वह अधिकारियों के सामने मौजूद नहीं हुआ। लोगों ने हाईकोर्ट की शरण ली। हाईकोर्ट की ओर से अब सोसायटी को पानी देने के लिए ट्यूबवेल लगाने के आदेश दिए गए हैं, जिसके लिए निगम ने टेंडर लगा दिया गया है।

क्या कहना है अधिकारी का

पेयजल किल्लत को दूर करने के लिए ट्यूबवेल लगाया जाएगा। इसके लिए टेंडर लगा दिया गया है। 10 दिन के भीतर ट्यूबवेल लगा दिया जाएगा।

-बीके कर्दम, मुख्य अभियंता, नगर निगम फरीदाबाद।

उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार बेहतर कानून व्यवस्था बनाने में गणतंत्र दिवस पर सम्मानित

Faridabad/Alive News

गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्यातिथि हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह और गुरुग्राम के पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा ने उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार को बेहतर कानून व्यवस्था बनाने, पेड-पौधे लगाकर ग्रीन गुरुग्राम बनाने में सामाजिक भागीदारी निभाने पर प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार को उनके चौकी के क्षेत्र में बेहतर कानून व्यवस्था बनाने और अन्य सराहनीय कार्यों करने पर भी सम्मानित किया गया। यह सम्मान उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार की कड़ी मेहनत और समर्पण को पहचानने के लिए दिया गया। सम्मान के बाद उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार ने हमारे संवाददाता को बताया कि हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री राव नरबीर सिंह और गुरुग्राम के पुलिस कमिश्नर विकास अरोड़ा ने उनकी समाज के प्रति निष्ठा को सम्मानित कर बढाया है। वह आगे भी इसी निष्ठा अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करेंगें।

उर्मिला स्कूल में गणतंत्र दिवस बड़े ही धूमधाम और उत्साह से मनाया गया

Faridabad/Alive News

सेक्टर 23 स्थित उर्मिला पब्लिक स्कूल में गणतंत्र दिवस बड़े ही उत्साह और धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा पहली से लेकर बारहवीं कक्षा के छात्र शामिल हुए। छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी।

स्कूल के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से देशभक्ति की भावना को प्रदर्शित किया और राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर पर स्कूल की प्रिंसिपल ज्योति शर्मा, चेयरपर्सन उर्मिला शर्मा और डायरेक्टर दीपक शर्मा ने ध्वजारोहण किया और राष्ट्रीय गान गाया। स्कूल की प्रिंसिपल ज्योति शर्मा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी बच्चें देश और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन अवश्य करें, विद्यालय में बताए गए सिद्धांतों एवं नियमों का पालन करें। स्कूल की चेयरपर्सन उर्मिला शर्मा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों को देश की सेवा और स्वयं से पहले अपने आदर्शो की पालन करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर स्कूल के अभिभावक और अध्यापक मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस पर मानव सेवा समिति ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

Faridabad/Alive News

मानव सेवा समिति ने गणतंत्र दिवस व समिति की 26 वीं वर्षगांठ पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर के शुभारंभ से पहले समिति के संस्थापक कैलाश शर्मा,बलबीर सिंह,अरुण बजाज,अमर बंसल, राज राठी ने समिति के कार्यालय मानव भवन सेक्टर 10 पर ध्वजारोहण करके तिरंगा झंडा फहराया। इस शुभ अवसर पर महासचिव सुरेन्द्र जग्गा,कोषाध्यक्ष, राजेन्द्र गोयनका,चैयरमैन प्रोजेक्ट संजीव शर्मा,ऊषाकिरण शर्मा, संदीप राठी,प्रेम पसरीजा, नवीन पसरीजा,नरेन्द्र मिश्रा, अरूण आहूजा,राजेश गुप्ता, लायन अनिल अरोड़ा,सतबीर शर्मा,हरीश गोरा,सौरभ बजाज, विनोद शर्मा,मनोज मंगला, संदीप मित्तल, कमला वर्मा, परमेश्वरी,सरोज दहिया,कुसुम बंसल,अमर खान,सुष्मिता आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर में ÷रक्तदान,महादान,अनमोल दान के नारे से प्रेरित होकर 76 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। रक्तवीर दीपक अग्रवाल ने 43 वीं वार रक्तदान करके उन युवाओं को संदेश दिया जो रक्तदान करने से डरते हैं। समिति की ओर से सभी रक्तदाताओं को सम्मान पट्टिका पहनाकर,स्मृति चिन्ह व उपहार देकर स्वागत अभिनंदन किया गया। हीमोग्लोबिन कम होने के कारण 14 महिलाएं व 11 युवा रक्तदान नहीं कर सके। शिविर के सफल आयोजन में रोटरी क्लब एनआईटी के प्रधान वीरेंद्र मेहता,रोटरी ब्लड बैंक के प्रधान प्रेम पसरीजा,प्रबंधक दीपक प्रसाद ने सहयोग प्रदान किया।

'ड्रग फ्री हरियाणा' थीम पर होगा 9 मार्च को हाफ मैराथन का आयोजन

Faridabad/Alive News

हरियाणा उदय आउटरीच कार्यक्रम की श्रृंखला में आगामी 9 मार्च को फरीदाबाद जिला मुख्यालय पर ड्रग फ्री हरियाणा थीम पर हाफ मैराथन का आयोजन सूरजकुंड से किया जाएगा। यह जानकारी डीसी विक्रम सिंह ने देते हुए बताया कि हाफ मैराथन में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे और विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करेंगे। डीसी ने बैठक से पहले वीसी के माध्यम से मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता व डीआईजी पंकज नैन ने अधिकारियों को तैयारी बारे अवगत कराया।उन्होंने बताया कि हाफ मैराथन का शुभारंभ सूरजकुंड परिसर से होगा और यह शहर के बड़खल मोड़ से वापिस जाएगी। इस मेगा इवेंट में अलग-अलग श्रेणियों में हजारों धावक भागीदारी करेंगे। उन्होंने बताया कि 5 किलोमीटर रन फिर फन के साथ ही हाफ मैराथन के लिए तैयार किये जा रहे पोर्टल पर हॉफ मैराथन 21 किलामीटर व 10 किलोमीटर की श्रेणी में आवेदन करने वाले रनर्स को रनिंग किट्स प्रदान की जाएगी। इसमें एक इलेक्ट्रॉनिक चिप युक्त बीब(टी शर्ट पर चिपकने वाला स्टीकर) शामिल है। उन्होंने बताया कि इस चिप युक्त बीब से रनर अपना वास्तविक रन टाइम कैलकुलेट कर सकेंगे साथ ही आयोजन के उपरांत अपने इलेक्ट्रॉनिक बीब की मदद से आयोजन से जुड़े अपने फोटो भी डाउनलोड कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि 30 जनवरी से हाफ मैराथन में भागीदारी के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि वह ज्यादा से ज्यादा संख्या में हाफ मैराथन में भाग लें। इस अवसर पर एडीसी साहिल गुप्ता, सीटीएम अंकित कुमार सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

हथीन में उपमंडल स्तर पर हर्षोल्लास से मनाया गया 76वां गणतंत्र दिवस समारोह

Faridabad/Alive News

उपमंडल हथीन की अनाज मंडी में रविवार को 76 वां गणतंत्र दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और भव्य परेड का निरीक्षण करने उपरांत मार्च पास्ट की सलामी ली।चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने उपमंडल वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई देते हुए अपने संबोधन में कहा कि 75 वर्ष पहले सन 1950 में आज ही के दिन हमारा संविधान लागू हुआ था। इसी संविधान के कारण हम सभी को समान न्याय, स्वतंत्रता एवं समानता का अधिकार मिला।

इस अवसर पर हम सभी बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर सहित संविधान सभा के तमाम सदस्यों को नमन करते हैं, जिनकी बदौलत ही भारत आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र व गणराज्य देश कहलाता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि आज हम भारत के संविधान का 76 वां गणतंत्र

महोत्सव मना रहे हैं। पूरे देश में हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

इस अवसर पर राजकीय बहुतकनीकी संस्थान उटावड़ की टीम ने देशभक्ति गीत, सहरावत सीनियर सेकेंडरी स्कूल हथीन की छात्राओं ने पगड़ी हरियाणा की-दुनिया में नाम कमावे से, टैगोर पब्लिक स्कूल हथीन की छात्राओं ने वेलकम टू हरियाणा जी, राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल बुराका की छात्राओं ने नमस्ते इंडिया, शहीद नायक राजेंद्र सिंह राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल हथीन की छात्राओं द्वारा हम भारत के हैं- हम भारत से हैं, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय हथीन की छात्राओं द्वारा यह पावन धरती वेदों की, जय जय मेरा हरियाणा, शांति निकेतन स्कूल की छात्राओं ने दंगल दंगल, वंदे भारत, मॉडिश पब्लिक स्कूल हथीन की छात्राओं ने देश रंगीला रंगीला, बुमरो बुमरो शाम रंग बुमरो जैसी मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भव्य प्रस्तुति दी। रेणु भाटिया ने समारोह में भाग लेनी वाली टीमों, टुकडियों के परेड कमांडर को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने विभिन्न विभागों व अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को भी सम्मानित किया।

इस अवसर पर हथीन के एसडीएम संदीप अग्रवाल, न्यायाधीश गरिमा यादव, उप पुलिस अधीक्षक मनोज, नगरपालिका के चेयरमैन सुमित, भाजपा नेता सूरज पांडे, मोतीराम पंडित, अनिल चौहान, तहसीलदार रवि कुमार, नायब तहसीलदार कैलाशचंद, नायब हसीलदार बहीन कविता, खंड शिक्षा अधिकारी सगीर अहमद सहित स्कूलों के अध्यापकगण, बच्चे व उपमंडल हथीन के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में उल्लासपूर्वक मनाया गया गणतंत्र दिवस

Faridabad/Alive News

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में गणतंत्र दिवस समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया। कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में तिरंगा ध्वज फहराया और होमगार्ड की सलामी ली। इस मौक़े पर उन्होंने कहा कि गणतंत्र प्रत्येक नागरिक को न्याय और समानता देता है। भारत गौरवशाली देश है, जो विश्व का महान गणतंत्र है। संविधान ने ही देश के सभी जन को समान अधिकार दिए हैं और यही संविधान हमारे अधिकारों की रक्षा करता है।

इस अवसर पर उन्होंने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों ने देश भक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय तिरंगी फिजा में रंगा नजर आया। दूसरी ओर ट्रांजिट कैंपस में अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर आर एस राठौड़ ने ध्वज फहराया और गार्ड की सलामी ली। उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई दी।

विद्यार्थियों को अपराध से सुरक्षित करने के लिए महिला थाना बल्लबगढ़ की टीम ने किया जागरुक

Faridabad/Alive News

महिला थाना बल्लबगढ़ ने तिगांव के शिव शांति पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर फ्रॉड, नशे से होने वाली हानि, महिला सुरक्षा के लिए चलाइ गई डायल 112 व ट्रिप मॉनिटरिंग की जानकारी देकर जागरुक किया है। पुलिस टीम ने साइबर फ्रॉड के संबंध में छात्रों को सोशल मडिया के माध्यम से होने वाले साइबर फ्रॉड की जानकारी देते हुए बताया कि कई बार आपके फोन पर अनजान नम्बर से वीडियो कॉल आती है। जिसमें ठग आपको अश्लील फोटो व वीडियों दिखाता है और स्क्रीन की रिकॉर्डिंग कर लेता है। आपकी वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करनी की धमकी देता है। जिसको आपको भेजकर डराता है और पैसे की डिमांड करता है। अगर आपके पास अनजान नम्बर से कॉल आती है तो इग्नोर करें। अगर आपके पास ऐसा कोई फोन आता है तो तुरंत 1930 पर कॉल करके सूचना दे। जागरुकता ही बचाव है। नशे के दुष्परिणाम की जानकारी देते हुए बताया कि बच्चे शुरुआत में गलत संगत के कारण शौक में नशा करने लगते है। जिसके कारण बच्चों को लत लग जाती है और वह नशा के लिए अपराध का रास्ता अपना लेते है जैसे चोरी, स्नैचिंग व अन्य अपराधिक को अंजाम देते है। महिला सुरक्षा के संबंध में छात्रो को बताया कि अगर अगर कोई भी व्यक्ति उन्हें गलत तरीके से छूने की कोशिश करता है।

राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने तिरंगा फराहकर किया समारोह का शुभारम्भ

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद के सेक्टर-12 में 76वां गणतंत्र दिवस आज बडी धूमधाम से मनाया गया। जिला स्तरीय इस समारोह में माननीय राज्यपाल हरियाणा बंडारू दत्तात्रेय मुख्य अतिथि रहे, जिनके द्वारा तिरंगा फराहकर समारोह का शुभ आरम्भ किया गया। समारोह के दौरान परेड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर हरियाणा पुलिस की महिला दुर्गा शक्ति की टुकड़ी प्रथम स्थान पर रही। इस प्रकार झाकियों के कार्यक्रम में भी हरियाणा पुलिस की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि विभिन्न विभागों व स्कूलों ने समारोह में भाग लिया।

जिनके द्वारा सांस्कृतिक व अन्य कार्यक्रम करके दर्शकों को मंत्रमूग्ध किया। हरियाणा पुलिस की तरफ से 5 प्लॉटून ने परेड में भाग लिया। परेड में शामिल सभी टुकडियां ने मुख्य मंच के सामने से गुजरते हुए माननीय राज्यपाल हरियाणा को सलामी दी। परेड कमाण्डर ढ्ढक्क्र प्रतिक गहलोत के नेतृत्व में हरियाणा पुलिस की टुकड़ियों ने परेड निकाली। परेड में महिला दुर्गा शक्ति की टीम प्रथम स्थान पर रही, साथ ही झाकियों के कार्यक्रम में भी हरियाण पुलिस की प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के हरियाणा पुलिस द्वारा ष्ठशद्द स्ह्लह्वस्र शो का भी प्रदर्शन किया, साथ ही हरियाणा पुलिस के ब्रॉस बैण्ड की मधुर धुनों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर अपने अपने क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। फरीदाबाद पुलिस के 7 पुलिसकर्मी सब इन्सपेक्टर अश्वनी, सब इन्सपेक्टर जसवंत, सब इन्सपेक्टर कैलाश, सब इन्सपेक्टर सुन्दर, सब इन्सपेक्टर दीपक, सिपाही नितिन व सिपाही रविन्द्र को बेहतरीन कार्य करने के लिए मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने सम्मानित किया है।

इस अवसर पर विवेक कुमार जोसी, ढ्ढस्, मुख्य सचिव हरियाणा सरकार, शुत्रजीत कपूर ढ्ढक्क्र ष्ठत्रक्क हरियाणा, पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता, उपायुक्त फरीदाबाद विक्रम सिंह यादव, संयुक्त पुलिस आयुक्त राजेश दुग्गल, पुलिस उपायुक्त मुख्यालय अभिषेक जोरवाल, पुलिस उपायुक्त अपराध मकसूद अहमद, पुलिस उपायुक्त यातायात जसलीन कौर, पुलिस उपायुक्त एनआईटी कुलदीप सिंह, पुलिस उपायुक्त सेन्ट्रल उषा व पुलिस विभाग के अधिकारियों सहित स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के परिजन व गणमान्य नागरिक तथा सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति व देश प्रेम की भावना से ओतप्रोत गीत चलाए गए। गणतंत्र दिवस समारोह का समापन राष्टीय गान से हुआ।

Editorial

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

दिल्ली विधान सभा के चुनावी समर क्षेत्र में आप, भाजपा व कांग्रेस आमने - सामने

विनोद कुमार सिंह

भाजपा व उनके कट्टर समर्थक कल तक दिल्ली सरकार आसीन आम आदमी पार्टी की मुखिया केजरीवाल व उनकी सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण कारी योजना(मुप्त योजना) सरकारी कर दाताओं की गढाई कमाई खजानों को लुटाने व फ्री की रेवडी पानी पी पी कर कोसने वाले भाजपा ने अपनी चुनावी भाषण व घोषणा पत्र आप सरकार के द्वारा वर्तमान में चलाने वाली योजना यथावत चालु रखने की वकालत ही नहीं कर रही बल्कि कई अन्य लोक लुबावन मुफ्त योजना को लागु करने की घोषणा करते थक नहीं रही है।

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की राजधानी दिल्ली नें एक बार फिर से राजनीतिक पंडितो को सोचने को मजबुर कर दिया है कि विश्व के सबसे व पुराने प्रजातंत्र के जन्म दाता भारत की राजनीति जिसका नाम बड़े ही अदब से लिया जाता है। उसी भारत की राजनीति का स्तर इतना गिर जायेगा कि सता के सिंघासन के लिए राजनेता व राजनीतिक दल सिद्धान्त विहीन हो कुछ भी कर सकता है। ऐसा ही घटना आयें दिनों को देखने मिलती रहती है।जैसा कि सर्व विदित है देश की राजधानी में दिल्ली विधान सभा चुनाव 25 की घोषणा चुनाव आयोग द्वारा हो गई है।एक ओर तो हाय रे दिल्नी की हाड़ कंपाने वाली सर्दी वही दूसरी ओर दिल्ली में भाजपा,आम आदमी पार्टी व कॉग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी द्वारा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप के प्रहार से दिल्ली की भोली भाली जनता परेशानहै।खास कर जब से दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए तारीखों का एलान हुआ है। दिल्ली विधान सभा के चुनावी मैदान में भाजपा, आप और कांग्रेस ने कमर कस ली है।दिल्ली के सिंघासन पर आसीन होने के लिए तीनों राजनीतिक पार्टी में अपने मुद्दों से लेकर प्रत्याशियों तक पर मंथन चल रही है।70 सीट वाली इस विधान सभा की अहमियत कितनी है,इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है केन्द्र की सता में काबिज लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार भी तत्कालीन आम आदमी पार्टी की सरकार को हराने के लिए नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लगातार चर्चा व चिन्तन का दौर चल रहा है।इस बैठक में दिल्ली विधान सभा चुनाव के पार्टी का घोषणा पत्र से लेकर उम्मीददारों का चयन व रणनीति बनाई जा रही है।ताकि दिल्ली में भाजपा अपनी सरकार बना सकें।केंद्र शासित प्रदेश होने के बावजूद राजधानी के कई बड़े मुद्दे यहाँ की स्थानीय सरकार के हिस्से में होते हैं।आप सभी के मन में प्रशन उठना स्वाभाविक है कि दिल्ली में जब केन्द्र सरकार की सता के सिंघासत पर स्वयं भाजपा व एन डी ए वाली गठबन्धन आसीन है तो दिल्ली के विधान सभा के विश्व के सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा व कांग्रेश पार्टी इतनी क्यूँ परेशान है। सर्व विदित रहे कि दिल्ली विधान सभा की ऐतिहासिक यात्रा भाजपा से शुरू होकर कांग्रेस और फिर आप का गढ़ कैसे बनी।इसकी पीछे की पृष्टिभूमि को जानना आवश्यक है। आजादी के बाद सन1952 पार्ट-सी राज्य के रूप में दिल्ली को एक विधानसभा दी गई।लैकिन सन् 1956 में उस विधानसभा को भंग कर दिया गया तथा सन् 1966 में दिल्ली को एक महानगर परिषद दी गई। दिल्ली राज्य विधानसभा 17 मार्च 1952 को पार्ट-सी राज्य सरकार अधिनियम,1951 के तहत अस्तित्व में आई।1952 की विधानसभा में 48 सदस्य थे।मुख्य आयुक्त को उनके कार्यों के निष्पादन में सहायता और सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद का प्रावधान था, जिसके संबंध में राज्य विधानसभा को कानून बनाने की शक्ति दी गई थी।राज्य पुनर्गठन आयोग (1955) की सिफारिशों के बाद दिल्ली 1 नवंबर 1956 से भाग-सी राज्य नहीं रही।दिल्ली विधानसभा और मंत्रिपरिषद को समाप्त कर दिया गया और दिल्ली राष्ट्रपति के प्रत्यक्ष प्रशासन के तहत केंद्र शासित प्रदेश बन गया।दिल्ली में एक लोकतांत्रिक व्यवस्था और उत्तरदायी प्रशासन की मांग उठने लगी।इसके बाद दिल्ली प्रशासन अधिनियम,1966 के तहत महानगर परिषद बनाई गई।यह एक सदनीय लोकतांत्रिक निकाय था जिसमें 56 निर्वाचित सदस्य और 5 राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत सदस्य होते थे।इसके बाद भी विधानसभा की मांग उठती रही।परिणाम स्वरूप 24 दिसंबर1987 को भारत सरकार ने सरकारिया समिति(जिसे बाद में बालकृष्णन समिति कहा गया) नियुक्त की।इस समिति ने 14 दिसंबर 1989 को अपनी रिपोर्ट पेश करते हुए सिफारिश की कि दिल्ली को केंद्र शासित प्रदेश बना रहना चाहिए,लेकिन आम आदमी से जुड़े मामलों से निपटने के लिए अच्छी शक्तियों के साथ एक विधानसभा दी जानी चाहिए। बालाकृष्णन समिति की सिफारिश के अनुसार,संसद ने संविधान (69वां संशोधन) अधिनियम,1991पारित किया,जिसने संविधान में नए अनुच्छेद 239अअ और 239अइ डाले,जो अन्य बातों के साथ-साथ दिल्ली के लिए एक विधानसभा की व्यवस्था करते हैं।लोक व्यवस्था, पुलिस और भूमि के मुद्दों पर विधानसभा को कानून बनाने का अधिकार नहीं था।1992 में परिसीमन के बाद1993 में दिल्ली में विधानसभा के चुनाव बाद दिल्ली को एक निर्वाचित विधानसभा व मुख्यमंत्री मिला।लैकिन इसके पूर्व 27 मार्च 1952 को पहली बार दिल्ली विधानसभा के चुनाव हुए। इस चुनाव में 5,21,766 मतदाता थे,जिनमें से 58.52% ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कांग्रेस को 48 में से 39 सीटों पर जीत मिली। .वही जनसंघ को पांच, सोशलिस्ट पार्टी को दो और एक-एक सीट पर हिंदू महासभा और निर्दलीय उम्मीदवार को जीत मिली।हालांकि,सन 1956 में विधानसभा को भंग कर दिया गया तथा सन 1992 में परिसीमन के बाद 1993 में दिल्ली विधानसभा फिर कराए गए।

आप को बता दे कि दिल्ली में अब तक सात बार चुनाव हुए हैं।सबसे ज्यादा कांग्रेस ने चार बार,आप ने दो बार(एक बार कांग्रेस के साथ मिलकर)भाजपा ने एक बार सरकार बनाई थी।शीला दीक्षित तीन बार और अरविंद केजरीवाल तीन बार मुख्यमंत्री बने।1993 के पहले चुनाव के बाद दिल्ली विधान सभा में भाजपा कभी भी अपनी वापसी नहीं कर सकी।इस बार दिल्ली विधान सभा के चुनाव में आम आदमी पार्टी के मुखिया व पूर्व मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आप शराब घोटाले से लेकर सीएम आवास पर घिरी है।वहीं भाजपा पर वोटर लिस्ट में गड़बड़ी कराने के आरोप लगे हैं। 1991 के दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी अधिनियम के तहत विधानसभा बनी थी सन 1993 में दिल्ली विधान सभा का पहला चुनाव हुआ।भाजपा ने जीत हासिल किये तथा मदनलाल खुराना दिल्ली के मुख्यमंत्री बने थे।उन्होंने दिल्ली को पूर्ण राज्य के दर्जे पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की थी।वह मोतीनगर से चुनाव लड़कर विधानसभा पहुंचे थे।इस चुनाव में भाजपा ने 70 में से 49 सीटें जीती थीं और उसे 42.80 फीसदी वोट मिले थे। वही कांग्रेस को 34.50 फीसदी और जनता दल को 12.60 फीसदी वोट मिले थे। खुराना 26 फरवरी 1996 तक ही मुख्यमंत्री रह सके।उनकी जगह साहिब सिंह वर्मा सीएम बने।लेकिन चुनाव से पहले उनकी भी विदाई हो गई। 12 अक्तूबर 1998 को सुषमा स्वराज को सीएम बनाया गया। लेकिन प्याज के दामों ने दिल्ली की जनता ने भाजपा को सत्ता से बाहर कर दिया। सन 1998 में शीला दीक्षित के नेतृत्व में कांग्रेस ने जीत हासिल की।कांग्रेस को 52,भाजपा को 15, जनता दल को एक और निर्दलीयों को दो सीटें मिलीं। इसके बाद 2003 और 2008 में भी शीला दीक्षित ने कांग्रेस को जीत दिलाई। 2003 में कांग्रेस को 47 और भाजपा को 20 सीटें मिलीं। 2008 में भी भाजपा सत्ता से दूर रही।इस चुनाव में कांग्रेस को 43, भाजपा को 23 और बसपा को दो सीटें मिलीं।कांग्रेस ने इन दोनों चुनावों में अपने विकास कार्यों, मेट्रो प्रोजेक्ट और औद्योगिक क्षेत्र में मजदूर वर्ग को बढ़ावा देने के चलते जबरदस्त जीत हासिल हुई।लेकिन 2008 की जीत के बाद कांग्रेस की दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों ही विवादों में घिर गईं। कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले और भ्रष्टाचार के आरोपों पर घिरने के बाद शीला दीक्षित की लोकप्रियता में खासी गिरावट देखी गई।इसमें एक बड़ी भूमिका अन्ना हजारे के जनलोकपाल कानून के लिए किए गए आंदोलन की भी रही।अरविंद केजरीवाल समेत उनकी आम आदमी पार्टी का उदय भी इसी आंदोलन के बाद हुआ था।2013 में कांग्रेस के हाथ से छिनी सत्ता, आप को मिला मौका।नतीजतन नई नवेली आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस से कई सीटें छीन लीं।नव नवेली आम आदमी पार्टी ने शानदार प्रदर्शन किया लेकिन बहुमत से काफी दूर रही।31 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।आप को 28 और कांग्रेस को महज 8 सीटें ही मिलीं।आप ने कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई।लेकिन गठबन्धन की ये सरकार सिर्फ 49 दिन तक ही चल सकी। सन 2015 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल की अगुवाई में आप ने प्रचंड बहुमत हासिल कर नया इतिहास रचा।उसने 70 में से 67 सीटें जीतकर भाजपा-कांग्रेस का सूपड़ा पूरी तरह साफ कर दिया। 2013 में आप को 30 फीसदी वोट मिले थे जो 2015 में बढ़कर 54 फीसदी हो गया।अरविंद केजरीवाल दोबारा सीएम बने।पुन : 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर 70 में से 62 सीटों पर जीत दर्ज की। पार्टी के वोट शेयर में 0.73 फीसदी की मामूली गिरावट दर्ज की गई। दिल्ली विधान सभा चुनाव 25 का यह चुनाव भाजपा,कॉंग्रेस व आम आदमी पार्टी नें दिल्ली की भोली भाली जनता को अपने पक्ष कर मतदान करने की अपील करते हुए दिख रहें।भाजपा व उनके कट्टर समर्थक कल तक दिल्ली सरकार आसीन आम आदमी पार्टी की मुखिया केजरीवाल व उनकी सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याण कारी योजना(मुप्त योजना) सरकारी कर दाताओं की गढाई कमाई खजानों को लुटाने व फ्री की रेवडी पानी पी पी कर कोसने वाले भाजपा ने अपनी चुनावी भाषण व घोषणा पत्र आप सरकार के द्वारा वर्तमान में चलाने जाने वाली योजना यथावत चालु रखने की वकालत ही नहीं कर रही बल्कि कई अन्य लोक लुबावन मुफ्त योजना को लागु करने की घोषणा करते थक नहीं रही है।ऐसे में कई प्रशन उठना स्वाभाविक है कि -क्या आम आदमी पार्टी की सरकार की मुप्त योजना का भाजपा व कांग्रेस पार्टी समर्थन करती है।जिसका प्रभाव आने वाले चुनाव में असर अभी से दिखने लगा है।वही दूसरी ओर भाजपा की केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा दिल्ली विधान सभा चुनाव में टिकट बॅटवारे को लेकर आ रही है।अन्दर से दबे स्वर में उठने विद्रोह का ताजा उदाहरण तीन बार से रहे विधायक का टिकट काट कर आप के नेता कपिल मिश्रा की टिकट घोषणा होते ही विद्रोही विधायक ने जब स्वतंत्र उम्मीदबार के रूप चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी परिणाम स्वरूप पार्टी को तीसरी लिस्ट में सिर्फ एक उम्मीदवार घोषित करना पड़ा । खैर दिल्ली विधान सभा चुनाव के लिए कुछ हप्ते ही शेष रह गए हैं ,वही तीनों पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा इस बार दिल्ली विधान सभा चुनाव में अपने पार्टी व उम्मीदवारों कोजीत दिलाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है।दिल्ली विधान सभा 25 के चुनावी समर क्षेत्र में भाजपा,आप व कॉंगेस आमने - सामने है, लैकिन अन्तिम फैसला तो आगामी 5 फरवरी को मतदान व 8 फरवरी को मतगणना होगी। जिसका फैसला दिल्ली की जनता जनार्दन को करना है।उनका असली हितेषी व शुभ चिन्तक कौन है।इसके लिए हम व आप को 8 फरवरी तक इंतजार करना होगा।

संपादकीय

चौकसी जरूरी

प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान भीषण आग लगना चिंता की बात है। शुक्र है कि अखाड़े.वालों व दमकलकर्मियों ने फौरन आग पर काबू पा लिया। एकदिन पहले भी इसी तरह आग लगी थी। आग सेक्टर 19 में शास्त्रीय पुल के नीचे लगी। 25 में से 20 टेंट व ढेरों फूस की झोपड़ियां जलकर खाक हो गई। कहा गया खाना पकाते समय आग लगी, जिसमें तीन कुकिंग सिलेंड़रों के ब्लास्ट से श्रद्धालुओं में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। पूरे महाकुंभ मेले में एलर्ट जारी कर दिया गया। दमकल को घटनास्थल तक पहुंचने में देरी का कारण भीड़.बताया जा रहा है। हालांकि कोई जन हानि नहीं हुई है। मगर लोगों में दहशत जरूर फैल गई। आग की विकराल लपटें दारागंज-झूंसी के बीच बने नये ट्रेनपुल के करीब पहुंच गई। महाकुंभ स्पेशल ट्रेन को रोकने में नाकाम रेलवे ने उसे निकालने के बाद प्रयागराज-वाराणसी रेलमार्ग पर आने-जाने वाली तमाम ट्रेनों की आवा-जाही रोकी गई। उप्र के मुख्यमंत्री प्रयागराज में ही मौजूद थे, उन्होंने घटनास्थल का दौरा किया और मामले के मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए। भारी भीड़.को संभालना निश्चित रूप से बड़ी चुनौती है। ये टेंट निजी कंपनी द्वारा लगवाए गए हैं। मगर बता रहे हैं, इनके भीतर आग जलाने की बात उक्त कंपनी से नहीं की गई थी। 144 बाद के पड़ने वाले इस महाकुंभ का विशेष महत्त्व है। जिसे देखते हुए मौनी अमावस्या व बसंत पंचमी को भारी भीड़.पहुंचने का अंदाजा लगाया जा रहा है। इसे देखते हुए व्यवस्था को चाक-चौबंद रखना टेढ़ी खीर हो सकती है। पिछले यानी 2013 के कुंभ के दरम्यान तीन दर्जन श्रद्धालु भगदड़.में मारे जाने जैसी घटनाओं से सीख लेने की जरूरत है।

रेवड़ी कल्चर

वायदों का बाजार है चुनाव

लगता है पूरा देश ही वायदों पर चल रहा है। हर चुनाव से पहले लोक लुभावन वायदे किए जाते हैं। एक पार्टी कुछ वायदा करती है दूसरी पार्टी उस से भी बड़ा वायदा कर देती, तीसरी पार्टी और दो-तीन चीजें बीच में बड़ा देती है। वायदे चुनावों में किए जाते हैं, फिर भूला दिए जाते हैं। जो पार्टी दिल्ली चुनाव में केजरीवाल के वायदों का यह कह कर विरोध कर रही थी कि पैसा कहां से आएगा, अपनी घोषणाओं से पहले पूरे आंकड़े प्रस्तुत कर रही थी कि दिल्ली के खजाने में इतना पैसा ही नहीं है; अब वही पार्टी अपने विरोधी से बड़े वायदे कर रही है। उन्हें भी पता है और जनता को भी पता है कि वायदे तो बस वायदे हैं। चुनाव के बाद यही वायदे चुनावी जुमले करार दे दिए जाएंगे। अगर इन वायदों में कुछ दम होता तो आज आजादी के 75 वर्ष बाद भी बिजली, पानी, सड़क, बेरोजगारी मूल मुद्दों में शामिल नहीं होते। जनता हर बार ऐसे वायदों को सुनती है और चुनाव के बाद इन वायदों के लालच में चुनी सरकार के कार्यों को देख अपना माथा पीटती है। आज चुनावों में बड़ी-बड़ी पार्टियों के उम्मीदवार करोड़ो रूपए पार्टी फंड के नाम पर देकर टिकट लेकर आते हैं, अब सोचने की बात यह है जो प्रत्याशी इतना पैसा खर्च टिकट ला रहा है वो जनता से किए वायदे पूरे करने के लिए जोर लगाएगा या अपनी 'इंवेस्टमेंट' को प्रॉफिट सहित निकालने की सोचेगा। जिस उम्मीदवार को जनता जिताकर भेजती है वही चुनाव जीतने के बाद जनता को अगूंठा दिखा वायदों को जुमला बता अपना पिंड छुटा लेता है। असल में जनता को यह चाहिए चुनावों के दौरान उम्मीदवारों से उनके और उनकी पार्टी के नए वायदों को एक तरफ रख पुराने वायदों के बारे में पूछे की उनका क्या हुआ? परंतु असल हालत यह है कि जनता भी जानती है कि यह वायदों का बाजार सिर्फ चुनावों में ही गर्म होता है। वोटों के बाद इनके पूरा होने की उम्मीद बबूल से आम की उम्मीद करने जैसा है। कुल मिलाकर, जनता सब समझती है पर बोलती कुछ नहीं, जिस दिन जनता बोलने लग गई और नेता से उनके वायदों पर सवाल पूछने लग गई। उस दिन इन वायदों के बाजार पर ताला लगने में देर नहीं लगेगी।

अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस विशेष- निजी हो या सरकारी शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर हो एक समान

लेखक-डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मनुष्य के जीवन की आधारशिला उसकी शिक्षा होती है, आज के आधुनिक युग में हम सभी शिक्षा का मोल बखूबी समझते हैं। दुनिया में किसी भी क्षेत्र का सर्वोच्च स्थान हम शिक्षा की योग्यता के आधार पर हासिल कर सकते हैं। साक्षरता और उच्च शिक्षा में लगातार वृद्धि के साथ, दुनिया भर में शिक्षा प्रणाली नई ऊंचाइयों पर पहुंच गई है। देश में भी नई शिक्षा प्रक्रिया को मजबूत बनाने के लिए नित नए उपक्रमों का क्रियान्वयन किया जा रहा है। तकनीकी ज्ञान, कौशल, मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम दिन ब दिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रणाली के सुदृढ़ता का बखान तो कर रहे हैं, फिर भी भारत देश से विदेश पढ़ने जानेवाले विद्यार्थियों की संख्या हर साल बढ़ती ही जा रही है। 2024 में लगभग 13, 35,878 भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे थे, 2023 में 13,18,955 छात्र थे, जबकि 2022 में 9,07,404 छात्र थे। जबकि इस तुलना में हमारे देश में विदेश से आने वाले छात्रों की संख्या बेहद कम है, जो ज्यादातर छात्र विशेषकर नेपाल, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और अन्य देशों से भारत आते है। ऑल इंडिया सर्वे ऑन हायर एजुकेशन की 2021-22 रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर के 170 देशों के कुल 46,878 विदेशी नागरिक/छात्र भारत में विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित हैं। ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन के आंकड़ों के मुताबिक, 2023 में केवल 40,431 विदेशी छात्र उच्च शिक्षा के लिए भारत आए। देश के बड़े शहरों और महानगरों के कुछ निजी शिक्षा संस्थान तो पांच सितारा होटल जैसे प्रतीत होते हैं। हाल ही में मैंने देश के महँगे स्कूली शिक्षा की वार्षिक फीस की जानकारी ली थी, जिससे पता चला कि हमारे देश में कुछ निजी स्कूल की वार्षिक फीस 15-20 लाख रुपये तक भी है। देश में सम्पूर्ण शिक्षा प्रणाली सेवा सुविधाओं का अध्ययन करने पर पता चलता है की, आज भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी जगत शिक्षा के आधारभूत सुविधाओं से वंचित है। आज भी दुर्गम भागों, पहाड़ी क्षेत्रों में स्कूली बच्चे नदी, नाले, जंगली क्षेत्र पार करके स्कूल जाते है, क्योंकि पक्की सड़क, पुल या सरकारी परिवहन की सुविधा नहीं है। बहुत से सरकारी स्कूल में कंप्यूटर लैब, पुस्तकालय, खेल सामग्री, मैदान, पर्याप्त मेज कुर्सी, यांत्रिक उपकरण, बिजली, पिने का शुद्ध पानी भी नहीं है। अनेक स्कूल भवन जर्जर अवस्था में है, जिससे बहुत बार जानलेवा हादसे होने की खबरें भी देखने-सुनने को मिलती हैं। अक्सर देखा जाता है कि, काबिलियत होते हुए भी बेहतर सुख-सुविधाओं की कमी के कारण प्रतिभावान बच्चे अपने लक्ष्य से दूर रह जाते है। राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी साझा की, कि अक्टूबर 2024 तक केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 5,182 शिक्षण पद रिक्त हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षण पदों के लिए रिक्तियों की दर 35 प्रतिशत से अधिक है, यहां तक कि आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थानों में भी शिक्षकों की कमी है, जो कुछ मामलों में 46 प्रतिशत तक है। फिलहाल पदभरती की राह देखते महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अकृषक विश्वविद्यालयों में 1200 और महाविद्यालयों में 11000 स्वीकृत पद रिक्त हैं। दिसंबर 2023 तक, शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के सरकारी स्कूलों में 8.4 लाख शिक्षक रिक्तियां थी। 2023 के शुरुआत में एक प्रमुख दैनिक के मुताबिक, देश में लगभग 1.2 लाख स्कूल एकल शिक्षक द्वारा चलाए जाते रहे हैं। सभी भारतीय स्कूलों की तुलना में यह अनुपात 8 प्रतिशत है, यह संख्या दर्शाती है कि छात्रों की बड़ी संख्या के कारण एक ही शिक्षक पर अत्यधिक बोझ है। कर्नाटक सरकार के स्कूल शिक्षा मंत्री मधु बंगारप्पा ने 19 दिसंबर, 2024 को विधानसभा को सूचित किया कि कर्नाटक राज्य में शिक्षकों के 59,772 रिक्त पद हैं। कर्नाटक राज्य के लगभग 6,158 सरकारी स्कूलों में एक-एक शिक्षक हैं, जो 1.38 लाख छात्रों की जिम्मेदारी संभालते है। 530 स्कूलों में 358 शिक्षक है परंतु यहां कोई छात्र नहीं हैं, राज्य के सरकारी शालाओं में छात्रों के नामांकन में भी गिरावट जारी है। लगभग 142.86 करोड़ लोगों की आबादी के साथ देश की शिक्षा प्रणाली भी उतनी ही विशाल है। डेलॉइट की येएसएसई 2023 रिपोर्ट के अनुसार, शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में, भारत में प्री-प्राइमरी स्तरों सहित स्कूल में 26.52 करोड़ छात्रों का नामांकन था। देश में औसत छात्र-शिक्षक अनुपात 23:1 है। लद्दाख जैसे कुछ केंद्र शासित प्रदेश में अनुकरणीय अनुपात 7:1 तक कम बताया है, जबकि बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश जैसे अन्य राज्यों ने क्रमशः 45:1, 33:1 और 29:1 के उच्च अनुपात की सूचना दी है, जो क्षेत्रीय असमानताओं को उजागर करता है। लगभग 7.7 प्रतिशत प्री-प्राइमरी, 4.6 प्रतिशत प्राइमरी और 3.3 प्रतिशत अपर-प्राइमरी स्कूल ऐसे शिक्षकों को नियुक्त करते हैं जो आवश्यक योग्यताएं पूरी नहीं करते हैं। निजी स्कूलों में 69 प्रतिशत शिक्षक और कई सरकारी शिक्षा संस्थानों में संविदात्मक शर्तों पर शिक्षक काम करते हैं, मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि परिणामस्वरूप, उन्हें नौकरी की सुरक्षा या वित्तीय स्थिरता नहीं मिलती है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, अधिकतर शिक्षक रिक्तियाँ ग्रामीण क्षेत्रों में केंद्रित है, जहाँ खराब बुनियादी ढांचा और मूलभूत सुविधाओं की कमी एक चुनौतीपूर्ण कार्य का वातावरण पैदा करती है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद 2021 की एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकार द्वारा भर्ती किए गए लगभग 40 प्रतिशत शिक्षकों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की कमी है। विश्व आर्थिक मंच 2021 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत की शिक्षा की गुणवत्ता दुनिया में 90वें स्थान पर है। भारत के शिक्षा मंत्रालय 2021 के अनुसार, भारत के सभी सरकारी स्कूलों में से केवल 4.8 प्रतिशत के पास पर्याप्त बुनियादी ढांचा है, जिसमें कक्षाएँ, पुस्तकालय और कंप्यूटर लैब शामिल हैं, इसने शिक्षा के क्षेत्र में एक असमान स्तर का खेल तैयार किया है, शहरी क्षेत्रों के छात्रों के पास ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों की तुलना में बेहतर संसाधन और अवसर हैं। देश के सरकारी शिक्षण व्यवस्था में योग्यतापूर्ण शिक्षकों के पद रिक्त होने की समस्या बहुत है, जिससे कार्यरत शिक्षकों पर अधिक भार पड़ता है, जिस कारण विद्यार्थियों के शैक्षणिक गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा बुरा असर पड़ता है ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अभी भी बहुत दूर है, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय, आर्मी पब्लिक स्कूल जैसे शिक्षा संस्थान एक विशेष स्तर, नीति-नियम, गुणवत्ता बनाये हुए हैं, लेकिन बहुत से राज्य सरकार और स्थानीय सरकार द्वारा संचालित स्कूल बुनियादी सुविधाओं की कमी से भी जूझते नजर आते हैं। विश्व की उच्चतम शिक्षा संस्थानों के जब नाम लेते हैं तो देश के संस्थान कहीं नहीं दिखते। देश के नब्बे प्रतिशत से अधिक सरकारी कर्मचारी अपने बच्चों को निजी शिक्षा संस्थानों में ही पढ़ाने को प्राथमिकता देते है, आखि़र ऐसा क्यों होता है? कर्मचारी नौकरी सरकारी करते हैं, लेकिन सरकारी शिक्षा संस्थानों पर भरोसा न करके निजी शिक्षा संस्थानों पर यकीन किया जाता है। अगर लोगों को निजी संस्थानों पर इतना ही भरोसा है तो फिर उसके अनुरूप सरकारी शिक्षा संस्थान विकसित क्यों नहीं हो रहे हैं? क्या हो अगर सभी सरकारी अधिकारी, कर्मचारी, कमिश्नर, जनप्रतिनिधि, नेता अर्थात सरकार से वेतन पाने वाले प्रत्येक व्यक्ति अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाये, या फिर ऐसा नियम बन जायें तो, शायद देश के सरकारी स्कूल की स्थिति रातों रात बदल सकती है। एक समान गुणवत्ता स्तर की शिक्षा सुविधा सबको मिलेगी, शिक्षा में अमीर-गरीब जैसा कोई भेद नहीं रहेगा। बेहतर शिक्षा बेहतर जीवन का मजबूत स्तंभ कहलाते हैं। मनुष्य को कला-गुणों, कौशल, संस्कार, सुजान नागरिक में बदलने की जिम्मेदारी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की होती है। इसी के आधार पर मनुष्य जीवनयापन का बेहतर साधन चुनकर अच्छा मुकाम हासिल कर समाज, देश-दुनिया में नाम कमाते हैं, प्रत्येक मनुष्य के शिक्षा का उसकी आने वाली कई पीढ़ियों पर इसका सीधा असर पड़ता है। गरीबी के दलदल से निकलने का शिक्षा यह बेहतर मार्ग होता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रत्येक छात्र का अधिकार है, किसी भी समस्याओं या आर्थिक तंगी से यह अधिकार छीनना नहीं चाहिए।

मुद्दा : बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता जरूरी

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल ही में सऊदी अरब के रियाद में ग्लोबल हेल्थ स्पैन शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था, जिसमें स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं पर वक्ताओं ने खुलकर चर्चा की। सम्मेलन में सबसे अहम बात बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिंता के रूप में उभरकर सामने आई। सम्मेलन में करीब दो हजार से अधिक वैज्ञानिक, उद्यमी, नीति निमार्ता और विचारक एकत्रित हुए। उन्होंने बुजुर्ग होते समाज के भविष्य के समक्ष आने वाले महत्त्वपूर्ण प्रश्नों पर गहनता से चर्चा की। उनका कहना है कि दुनिया में स्वस्थ वृद्धावस्था के अप्रयुक्त अवसरों के साथ-साथ उभरते हस्तक्षेप, प्रौद्योगिकी, नीतिगत परिवर्तन और भविष्य के लिए आवश्यक निवेश पर खुलकर चर्चा की जानी चाहिए। सम्मेलन में यह बात भी सामने आई कि आज वैश्विक औसत जीवन प्रत्याशा 73.4 वर्ष है, जिसके बढ़कर सौ साल होने की उम्मीद की जा सकती है।

वक्ताओं ने कहा कि जीवन प्रत्याशा में उल्लेखनीय वृद्धि के बावजूद हमारे जीवन के अंतिम वर्ष अक्सर दीर्घकालिक बीमारी में गुजर रहे हैं। उम्र बढ़ने के साथ कई पूर्वाग्रह और बुढ़ापे को सामाजिक और आर्थिक बोझ के रूप में पेश करने की कहानी सामने आ रही है। कोलंबिया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर जॉन आर. बियर्ड ने कहा कि कामकाजी उम्र की आबादी में वृद्ध आश्रितों की संख्या का अनुपात नकारात्मक धारणाओं को मजबूत करता है और समाज में वृद्ध वयस्कों के सार्थक योगदान को नजरअंदाज करता है। अमेरिका और यूरोप में वृद्ध वयस्क भुगतान किए गए काम, स्वयं सेवा और देखभाल के माध्यम से सकल घरेलू उत्पाद का अनुमानित सात फीसद योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि वृद्ध आबादी आर्थिक स्थिरता और नवाचार के लिए भी एक अप्रयुक्त शक्ति हो सकती है। अमेरिका में 50 से अधिक उम्र के उद्यमियों की संख्या साल 2007 के मुकाबले साल 2024 में दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि लंबे समय तक जीने से हमें रिटायरमेंट शब्द से भी रिटायर होना पड़ सकता है। अनुमानित जीवनकाल शताब्दी के करीब पहुंचने के साथ हम उम्मीद कर सकते हैं कि हमारा कामकाजी जीवन अतिरिक्त 20-40 वर्षों तक बढ़ जाएगा। यह शिक्षा और काम के बारे में हमारी सोच को फिर से परिभाषित करेगा। वहीं कार्यबल में बने रहने के कारण अर्थशास्त्र से परे भी है। इस बात के बढ़ते प्रमाण हैं कि सेवानिवृत्ति के बाद काम करने से हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का जोखिम कम होता है। साथ ही मानसिक प्रगति और सामाजिक जुड़ाव भी मिलता है। उन्होंने कहा कि वृद्ध लोगों को समाज के मूल्यवान सदस्य के रूप में स्वीकार करने के लिए नकारात्मक रूढ़िवादिता को समाप्त करना होगा तथा लंबी आयु के लाभों के बारे में सार्वजनिक धारणा को व्यक्तियों, समाजों और अर्थव्यवस्था तक पहुंचाना होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि विकसित देशों में स्वास्थ्य सेवा की लागत का बड़ा हिस्सा उम्र बढ़ने और उम्र से संबंधित बीमारियों से प्रेरित है। फिर भी उम्र बढ़ने और स्वास्थ्य अवधि विज्ञान को बहुत कम धन उपलब्ध है। अमेरिका अल्जाइमर रोग के इलाज पर सालाना लगभग 305 बिलियन डॉलर खर्च करता है। यह आंकड़ा 2050 तक 1.1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होने की उम्मीद है। यूएस रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र का अनुमान है कि हृदय रोग और स्ट्रोक के कारण देश को स्वास्थ्य सेवा व्यय और उत्पादकता हानि के रूप में प्रतिवर्ष 363 बिलियन डॉलर का नुकसान होता है। मधुमेह के कारण अनुमानित वार्षिक स्वास्थ्य और आर्थिक बोझ 327 बिलियन डॉलर है, जबकि गठिया और संबंधित बीमारियों के कारण होने वाला खर्च 303 बिलियन डॉलर से अधिक है। वहीं देश वृद्धावस्था के लक्षणों के उपचार पर अरबों डॉलर खर्च करता है। अमेरिकी राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के वार्षिक अनुसंधान बजट का एक प्रतिशत से भी कम या 337 मिलियन डॉलर वृद्धावस्था के जीव विज्ञान को समझने में खर्च होता है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि उम्र बढ़ने के मूल कारणों को संबोधित करने से व्यक्तिगत बीमारियों को लक्षित करने की तुलना में निवेश पर अधिक लाभ मिल सकता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि विश्व की जनसांख्यिकी संरचना में परिवर्तन हो रहा है तथा अनुमान है कि 60 वर्ष से अधिक आयु की जनसंख्या 2050 तक दोगुनी हो जाएगी। वहीं देरी से कार्रवाई करने पर जीवन की गुणवत्ता कम हो जाएगी और अतिरिक्त वर्ष अस्वस्थता में गुजारने पड़ेंगे, जबकि युवा लोगों को अपने परिवार के सदस्यों की देखभाल की जिम्मेदारी उठानी होगी। वृद्ध होते समाज की आवश्यकताओं को पूरा करने तथा वृद्धावस्था के प्रति विश्व के दृष्टिकोण में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। स्वस्थ वृद्धावस्था को बढ़ावा देने वाले नीतिगत समायोजन, रोकथाम और निवेश को प्राथमिकता देने वाली स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियां तथा समस्त मानवता को लाभ पहुंचाने की क्षमता रखने वाली चिकित्सा प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाने के वैश्विक सहयोग के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने होंगे।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

केंद्रीय विद्यालय में 'भारत हैं हम' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

Faridabad/Alive News

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का सूत्रपात किया जो कि अब एक जन आंदोलन बन गया है, बच्चों शिक्षकों एवं अभिभावकों को अभिप्रेरित करने का व परीक्षा का उत्सव मनाने का। इसी कड़ी में शिक्षा मंत्रालय द्वारा केंद्रीय विद्यालय संगठन को 3 वर्षों से नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाने का कार्य भार सौंपा है। इस विशेष अवसर पर पीएम केंद्रीय विद्यालय- 3 में 23 जनवरी 2025 को जिला स्तर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ भारती कुक्कल प्राचार्या ने दीप प्रज्वलित कर किया तथा प्राचार्या द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया एवं अपने आशीर्वचनों से उनके परीक्षा के भय को दूर करने का मार्ग प्रशस्त किया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार ने 'भारत हैं हम' पर आधारित श्रृंखला का शुभारंभ किया गया है। आज की प्रतियोगिता इसी श्रृंखला के 5 एपिसोड पर आधारित थी। इस प्रतियोगिता में फरीदाबाद जिले के सरकारी, पीएम श्री , प्रायवेट स्कूल,नवोदय एवं क केवि समेत 19 विद्यालयों के 108 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सर्वप्रथम प्रतिभागियों को श्रृंखला के एपिसोड दिखाए गए। तत्पश्चात 'भारत हैं हम' विषय पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसके बाद सभी प्रतिभागियों को माननीय नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री भारत सरकार द्वारा लिखित EXAM WARRIORS पुस्तक व प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिए गए एवं सर्वश्रेष्ठ तीन प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।सभी प्रतिभागियों ने जलपान का आनंद लिया। कार्यक्रम संयोजक श्रीमती भारती गुप्ता ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित कर कार्यक्रम का समापन किया।

'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान' थीम के साथ आयोजित हुआ राज्य स्तरीय कार्यक्रम

Faridabad/Alive News

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि देश का संविधान हमें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ ही अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने का मार्ग प्रशस्त करता है। संविधान के अंगीकृत करने की हम 75वी वर्षगांठ मना रहे हैं और यह वर्षगांठ हमें संविधान के उद्देश्यों से अवगत कराने का सशक्त माध्यम बन रही है। राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने शनिवार को फरीदाबाद स्थित होटल रेडिशन ब्लू में जिला प्रशासन की ओर से आयोजित 'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान' थीम के साथ मनाए जा रहे राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत कर संविधान की प्रस्तावना का गरिमामयी ढंग से वाचन करवाया। कार्यक्रम में डीसी विक्रम सिंह ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ ''हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान'' राज्यस्तरीय कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

ने अपने संदेश में कहा कि संविधान की प्रस्तावना हमें समाज के प्रति अपने अधिकारों की जानकारी का ज्ञान कराने के साथ ही सशक्त नागरिक के रूप में निभाई जाने वाली भूमिका के उद्देश्य से अवगत कराते हुए सार्थक संदेश देती है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को संविधान के बारे में विस्तार से जानकारी देने के लिए इस प्रकार के आयोजन महत्ती भूमिका निभाते हैं। जीवन को किस तरीके से समाज में यापन किया जाए वह सभी प्रकार के माध्यम संविधान में निहित हैं। उन्होंने युवाओं को संविधान के बारे में अवश्य पढ़ने और उन्हें उनमें निहित अधिकारों के बारे में जानकारी हासिल कर श्रेष्ठ नागरिक बनकर देश सेवा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संविधान हमारी ताकत है व हमारा गौरव है। मुख्यातिथि ने हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित कर सम्मानित किया। हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना में जो शब्द हम भारत के लोग लिखे गए हैं वे इस बात का प्रतीक हैं कि वास्तविक स्रोत समाज के प्रबुद्ध व्यक्ति ही हैं। यह हमारे लिए समानता, स्वतंत्रता व भाईचारे का संदेश देता है। साथ ही हमारी एकता व हमारी पहचान का आधार है। संविधान ने हमें मौलिक कर्तव्यों की भी शिक्षा दी है। यह कर्तव्य हमें अपने राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने, पर्यावरण की रक्षा करना, हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करने की जिम्मेदारी भी सौंपता है।

इस अवसर पर डीसी विक्रम सिंह, एडीसी साहिल गुप्ता, एसडीएम बल्लभगढ़ मयंक भारद्वाज व डीआईपीआरओ दिनेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी व प्रतिभागी मौजूद रहे।

सैनिक कॉलोनी में धड़ल्ले से हो रहे अवैध निर्माण, नगर निगम में पहुंची शिकायत

Faridabad/Alive News

सैनिक कालोनी का रहने वाला एक व्यक्ति नगर निगम के समाधान शिविर में लगातार स्टिल्ट पार्किंग में हो रहे अवैध निर्माण की शिकायत लेकर पहुंचा। इस शिकायत पर नगर निगम अधिकारियों ने संज्ञान लेते हुए जल्द कार्यवाही करने की बात कही। अगर, कार्यवाही होगी तो पहले की कार्यवाही की तरह अवैध निर्माण करने वाले मकानों पर हथौड़ा चलेगा। सैनिक कॉलोनी निवासी रमेश ने अपनी शिकायत में बताया कि ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाला व्यक्ति पार्किंग की जगह पर अवैध निर्माण कर रहा है। उन्होंने उसे मना भी किया लेकिन उसने एक नहीं सुनी। रमेश की शिकायत का संज्ञान लेते हुए संयुक्त आयुक्त जितेंद्र गर्ग ने कहा कि जल्द ही सभी अवैध निर्माणों पर दोबारा से कार्यवाही शुरू की जाएगी। साल 2016 में सैनिक कॉलोनी सोसायटी की ओर से बिल्डिंग बायलाज की अनदेखी करके बनाई गई इमारतों को लेकर नगर निगम के खिलाफ हाई कोर्ट में केस डाला गया था, जिसमें कहा गया कि पार्किंग के स्थान पर फ्लैट बनाकर उन्हें बेच दिया गया। जिन इमारतों के तीन मंजिला के नक्शे पास थे, उनमें चार मंजिल का निर्माण कर दिया गया। लोगों ने नक्शे से बाहर जाकर अतिरिक्त निर्माण किया हुआ है। ये लोग नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इन निर्माणों पर हाई कोर्ट के आदेश पर नगर निगम ने अक्टूबर 2024 में तोड़फोड़ की थी। एफआइआर भी दर्ज कराई थी। इसके बावजूद कई जगह लोगों ने पार्किंग की जगह पर फिर से निर्माण कर लिये हैं। अब फिर से निगम अधिकारी स्टिल्ट पार्किंग में किए गए अवैध निर्माण पर कार्यवाही करेंगा।

शर्म करो सरकार! फरीदाबाद में पार्क की बदहाली देखकर नागरिकों ने छोड़ा सैर करना

Faridabad/Alive News

गांधी कॉलोनी पार्क के चारों तरफ गंदगी पसरी हुई है। गंदगी के कारण लोगों ने पार्क में सैर करना बंद कर दिया है। आस-पास के दुकानदार और कुछ लोग यहां गाड़ियां पार्क करते हैं। पार्क में दिनभर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। स्थानीय निवासियों के अनुसार महिलाओं और बुजुर्गों की सुविधा के लिए पार्क बनाया गया, लेकिन पार्क की हालत बदहाल होने के कारण पार्क में केवल आवारा पशु ओर पशुओं का मल पड़ा रहता है। इसके अलावा पार्क की बाउंड्री वॉल भी टूटी पड़ी है। ओपन जिम के उपकरण टूट चुके हैं और कुछ चोरी हो चुके हैं। कालोनी के कुछ लोग पार्क में गंदगी डालते हैं। बदबू के कारण सड़क पर चलने वाले लोगों को भी परेशानी होती है। जिस सड़क पर पार्क है वह भाजपा सरकार ने करोड़ो खर्च कर स्मार्ट सड़क बनाई है। स्मार्ट रोड पर बना ये पार्क सड़क की सुंदरता पर भी दाग लगा रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि दिनभर यहां असामाजिक तत्व जुआ और शराब पीते दिखाई देते हैं। लोगों की मांग है कि पार्क में साफ-सफाई कराकर यहां माली और देखभाल के लिए एक कर्मचारी की नियुक्ति की जाए।

क्या कहना है अधिकारी का

पार्क में जो-जो कमियां हैं, उसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को कहा जाएगा। उनके संज्ञान में मामला लाकर बदहाली दूर कराई जाएगी। लोग की समस्या का स्थाई समाधान कराया जाएगा।

-जोगेंद्र रावत, लोक संपर्क अधिकारी, नगर निगम फरीदाबाद।

दीवार में सीलन और गंदे पानी की दुर्गंध से परेशान स्कूल के बच्चे और अध्यापक

Faridabad/Alive News

ग्रेटर फरीदाबाद स्थित फरीदपुर गांव में बने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के पीछे गंदा पानी जमा हो गया है जिसकी वजह से स्कूल के दीवारों में सीलन आ गई है। गांव के लोगों का आरोप है कि नगर निगम के अधिकारियों और तिगांव विधायक राजेश नागर को शिकायत देने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। दरअसल, ग्रामीणों का कहना है कि दो साल पहले गांव फरीदपुर नगर निगम में शामिल हुआ था, लेकिन आज भी ग्रामीणों की सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। जब फरीदपुर पंचायत के अंतर्गत था तो पाइप लाइन से गांव और जोहड़ का पानी बाहर जाता था। महीनों से पानी की निकासी न होने कारण स्कूल की दीवार में सीलन आ गई है। इससे स्कूल की दीवार गिरने का भी खतरा बना हुआ है। स्कूल के विद्यार्थियों ने बताया कि बारिश के दौरान कक्षाओं और स्कूल परिसर में पानी भर जाता है। नाले से दुर्गंध आती हैं। जिससे की कक्षा में बैठना भी दुबर हो जाता है। शिकायत के बाद भी अधिकारी नहीं देते हैं।

पूर्व सरपंच दयाचंद कौशिक सहित अन्य ने बताया कि राजकीय स्कूल की स्थिति बेहद खराब है। स्कूल के बाहर बह रहा गंदा नाला जहां एक विद्यार्थियों के बीच बीमारी कारण बन रहा है, वहीं खुले नाले से हादसे का खतरा बना है। न तो इसकी फेंसिंग की गई है और न ही सफाई होती है। स्कूल में छोटे-छोटे बच्चे पढ़ने आते हैं. ऐसे में बड़ा हादसा हो सकता है। प्रशासन को समस्या का स्थाई समाधान करने की आवश्यकता है। वर्षा के दौरान सबसे ज्यादा बुरे हालात हो जाते हैं।

क्या कहना है अधिकारी का

अगर स्कूल के बाहर नाला है तो जेई को भेजकर जांच कराई जायेगी है। नाले की सफाई के अलावा स्थाई समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। जल्द विद्यार्थियी और अध्यापकों को समस्या से छुटकारा मिलेगा।

-ओमदत्त, कार्यकारी अभियंता-नगर निगम फरीदाबाद।

जीवा स्कूल में 76वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया

Faridabad/Alive News

सेक्टर 21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में आज एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। प्रार्थना सभा में 76वें गणतंत्र दिवस के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ। गणतंत्र दिवस के महत्त्व को कार्यक्रम के माध्यम से बहुत ही सुन्दर ढंग से दर्शाया गया। आज के इस विशेष कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा पहली से लेकर बारहवीं कक्षा के छात्र शामिल हुए। छात्रों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। जीवा स्कूल की यह विशेषता है कि यहाँ प्रत्येक त्योहार पर विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाता है, जिससे छात्र प्रत्येक अवसर में भाग ले सके और उसके विषय में जानकारी प्राप्त कर सके।

आज के कार्यक्रम में छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। कक्षा पहली से लेकर बारहवीं कक्षा तक के छात्रों ने मिलकर देश के प्रति अपने कर्तव्यों को समझा, कुछ छात्रों ने देश भक्ति के गीत प्रस्तुत किए, देश भक्ति गीत पर नृत्य भी प्रस्तुत किया। छात्रों ने स्वरचित देशभक्ति कविता प्रस्तुत की। इस अवसर पर छात्रों ने एक लघु नाटिका भी प्रस्तुत की

जिसके माध्यम से उन्होंने राष्ट्र भक्ति एवं एकता के महत्व को भी समझाया। विद्यालय के किंडरगार्टन के छात्रों ने भी बड़े ही सुन्दर ढंग से देश भक्ति पर आधारित कविताएं व नृत्य प्रस्तुत किए। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें प्रकृति का सम्मान करना चाहिए और प्रकृति का सम्मान करते हुए हमें परस्पर प्रेम पूर्वक रहना चाहिए, तभी हमारा एवं हमारे देश का विकास संभव है। इसके साथ-साथ देश के प्रति अपने सभी कर्तव्य भी पूर्ण करने चाहिए। इस अवसर पर उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि वे विद्यालय एवं समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन अवश्य करें, विद्यालय में बताए गए सिद्धांतों एवं नियमों का पालन करें।एकेडमिक एंड एक्सिलेंस श्रीमती मुक्ता सचदेव ने भी सबको प्रेम पूर्वक मिलकर रहने का संदेश दिया।

तिगांव सड़क पर नही लगी है लाइट, अंधेरे में करते हैं लोग आवागमन

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद तिगांव सड़क का काम बजट न होने के कारण अभी भी अधर में लटका हुआ है।सड़क के दोनों ओर नाला और बीच में लाइटें अभी भी ही लगी हैं। जिससे कि आमजन को काफी परेशानी हो रही है।यह सड़क प्रदेश के खाद्य मंत्री एवं आपूर्ति मंत्री राजेश नागर के निवास स्थान औऱ उके मूल गांव को जोड़ते हुए निकल रही है। साथ ही सड़क पर पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा के पैतृक गावं को भी जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि वैसे तो सरकार नई नई परियोंजनाओं को लेकर आए दिन बजट पेश करती है लेकिन बजट पेश होने के बाद भी शहर में अधूरे लटके विकास कार्य पूरे नही हो पाते हैं।पांच महीने से बजट नहीं आने की वजह से कई सड़कों सहित अन्य काम अधूरे पड़े हैं। करीब 15 करोड़ रुपये का बजट जारी किया जाना है। ठेकेदारों ने भी काम बंद कर दिया है। इस वजह से आमजन परेशान हैं। सबसे अधिक दिक्कत अधूरी सड़कों से हो रही है। अहम बात यह भी है कि अधिकतर परियोजनाएं मुख्यमंत्री घोषणा के तहत हैं।

क्या कहना है लोगों का

पांच महीने से बजट पास नही हुआ है जिसकी वजह से ठेकेदारों ने भी सड़क का काम अधूरा छोड़ दिया है और इसका खामियाजा आमजनता को भुगतना पड़ रहा है।

-रमेश, स्थानीय निवासी।

सड़क के दोनों ओर नाला और बीच में लाइटें अभी भी ही लगी हैं। जिसके चलते लोगों को आवागमन करने के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

-प्रवीन, स्थानीय निवासी।

क्या कहना है मंत्री का

इस संबंध में हमने हरियणा के राज्य आपूर्ति मंत्री से बात की तो उन्होंने बताया कि सड़क का बजट जल्द जारी कराया जाएगा। इसके बाद काम पूरा तेजी से करा दिया जाएगा।

-राजेश नागर, खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री

फरीदाबाद शहर के लोगों को मिलेगा कूड़े के खत्तों से छुटकारा

Faridabad/Alive News

शहर में जगह जगह कूड़े के खत्ते लगे हुए हैं लेकिन इनका उठान नहीं हो रहा है। उठान न होने की वजह से आसपास के आवारा मावेशी मुंह मारते हैं और उसे फैला देते है जिससे कि लोगों को शिकायत रहती है। इस समस्या का निपटान करने के लिए नगर निगम इंदौर की तर्ज पर शहर में खत्तों पर सीसीटीवी लगाकर कूड़ा उठान की निगरानी की जाएगी।

निगम खत्तों पर बोर्ड भी लगाएगा। इस बोर्ड पर कूड़ा उठान करने वाली संबंधित एजेंसी का नंबर लिखा जाएगा। इसके अलावा जेई और एसडीओ का नंबर भी लिखा होगा, ताकि कूड़ा उठान नहीं होने पर पहले तो एजेंसी को फोन करें। अगर एजेंसी के अधिकारी कोई जवाब नहीं देते हैं तो संबंधित अधिकारियों से उनकी शिकायत की जा सके। निगम के मुताबिक बोर्ड पर कूड़ा उठान का समय भी लिखा जाएगा।

लोगों को बताया जाएगा कि किस समय से किस समय के बीच में कूड़े का उठान किया जाता है। सीसीटीवी एमओएच ब्रांच से जुड़े होंगे, जिससे अधिकारी अपने मुख्यालय से बैठकर भी खत्तों की स्थिति के बारे देख सकेंगे। निगम ने सीसीटीवी और लाउडस्पीकर को लेकर 10 लाख रुपये का टेंडर भी जारी कर दिया है। लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों से अपील की जाएगी कि सीसीटीवी एमओएच खत्ते पर अपनी अपना कूड़ा डाले। सड़क पर कूड़ा नहीं डाले।

कूड़ा उठान करने वाली एजेंसी दो दिन के अंतर कूड़ा उठाकर ले जाती है, लेकिन कई बार लोगों की शिकायत रहती है खत्ते से कूड़ा नहीं उठाया जा रहा है। कई बार तो खते पर पड़ा हुआ कूड़ा बदबू देने लगता है। बेसहारा जानवर उसे फैला देते हैं। यह कूड़ा फैलते हुए सड़क पर आ जाता है। लोगों को एजेंसी और संबंधित अधिकारियों की जानकारी नही होती है। इसलिए वह कहीं पर भी शिकायत नहीं कर पाते हैं।

बच्चों को सुरक्षित माहौल देना स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी, अवहेलना पर माफी नहीं

Faridabad/Alive News

शिक्षण संस्थानों की बसों की चेकिंग का विशेष अभियान चलाया जाएगा और उनकी फिटनेस की भी जांच की जाएगी। यह जानकारी सचिव आरटीए मुनीश सहगल ने दी। सचिव आरटीए मुनीश सहगल ने जारी प्रेस नोट में कहा कि जांच में स्कूल बसों की फिटनेस वैध नहीं पाए जाने पर कार्यवाही की होगी और स्कूल वाहन भी जब्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बच्चों के अभिभावक व परिजन चाहते हैं कि जैसा सुरक्षित माहौल उनके बच्चों को घर पर मिलता है वैसा ही सुरक्षित माहौल स्कूल में मिलें। अभिभावक अपने बच्चो को सुरक्षित माहौल में पढ़ाना चाहते हैं और वो भी चाहतें हैं कि अभिभावक बच्चों की सुरक्षा को लेकर निश्चिंत रहें। विद्यार्थियों को घर से स्कूल तक सुरक्षित ले जाना व लाना तथा स्कूल में सुरक्षित माहौल प्रदान करना स्कूल प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि स्कूल संचालकों को विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए तय नियमों की पालना करनी होगी, अवहेलना पर माफी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित अवधि पूर्व होने उपरांत भी जिन स्कूल में सुरक्षित वाहन पॉलिसी के तहत निर्धारित मानकों व मापदंडों में कमी पाई जाती है तो जिला प्रशासन द्वारा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। आरटीए सचिव मुनीश सहगल ने कहा कि 21 जनवरी (मंगलवार) से लगातार गहनता से जांच अभियान चलाया गया है जो फरवरी माह के अंत तक चलेगा और स्कूल बसों की जांच सड़क व स्कूल परिसर में पहुंचकर की जाएंगी। अभियान के लिए सभी स्कूल प्रबंधक से जिला प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की गई है।

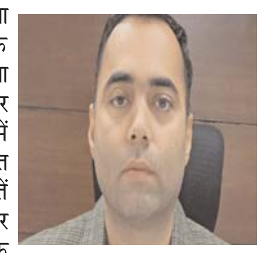

पंडित जेएलएन कॉलेज में धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

Faridabad/Alive News

पंडित जवाहरलाल नेहरू गवर्नमेंट कॉलेज, फरीदाबाद ने गणतंत्र दिवस 2025 को भव्यता के साथ मनाया, जिसमें हरियाणा व्हीलचेयर क्रिकेट के दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए एक स्थायी व्हीलचेयर क्रिकेट पिच का उद्घाटन किया गया।प्रिंसिपल डॉ. सी.एस. वशिष्ठ के उदार योगदान से बनी यह पिच व्हीलचेयर क्रिकेटरों को सशक्त बनाने और उनकी प्रतिभा को निखारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने समय-समय पर फरीदाबाद व्हीलचेयर क्रिकेट खिलाड़ियों को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हरियाणा के कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल द्वारा हरियाणा भाजपा अध्यक्ष श्री मोहन लाल बडोली और भाजपा युवा नेता अमन गोयल की उपस्थिति में उद्घाटन की गई यह सुविधा HWCA खिलाड़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण मैदान के रूप में काम करेगी। विक्रम नाथ, रहीस सैफी, विनय बालगुहर, परमोद और

नसीरुल गफ्फार जैसे पांच खिलाड़ियों ने इसी मैदान से अपना सफर शुरू किया और अब हरियाणा की राष्ट्रीय टीम में जगह बना ली है। पिच का निर्माण नई उड़ान के अध्यक्ष और हरियाणा व्हीलचेयर क्रिकेट खिलाड़ी रहीस सैफी, एचडब्ल्यूसीए के अध्यक्ष अनुराग कश्यप और एचडब्ल्यूसीए के बाहरी संबंध प्रमुख राजेंद्र मलिक के अथक प्रयासों से किया गया है। उद्घाटन के साथ-साथ आयोजित उत्सव 2025 में हरियाणवी लोक नृत्य, रागिनी गायन और तबला वादन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए गए और इसमें रोटरी क्लब ऑफ फरीदाबाद के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन भी शामिल था। एचडब्ल्यूसीए के अध्यक्ष श्री अनुराग कश्यप ने गणमान्य व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया और खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने में इस तरह की पहल के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ग्वालियर में होने वाली चौथी राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैंपियनशिप 2025 के लिए हरियाणा की तैयारी पर जोर दिया और व्हीलचेयर क्रिकेट के विकास के लिए निरंतर समर्थन को प्रोत्साहित किया। हरियाणा भाजपा प्रमुख श्री मोहन लाल बडोली जी और डॉ. सी.एस. वशिष्ठ जी ने दिव्यांगजनों के लिए खेल पहलों के लिए निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया और एचडब्ल्यूसीए को उसके समर्पित प्रयासों के लिए बधाई दी।एचडब्ल्यूसीए व्हीलचेयर क्रिकेटरों को अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और व्यक्तियों और संगठनों से उनके मिशन में शामिल होने का आह्वान करता है।÷जीत की तैयारी है, अब हमारी बारी है÷ के नारे के साथ, एसोसिएशन का लक्ष्य हरियाणा को राष्ट्रीय गौरव दिलाना है।

डीएवी स्कूल में बाल विवाह को रोकने के लिए जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

Faridabad/Alive News

सेक्टर 14 डीएवी स्कूल में बाल विवाह के दुष्प्रभावों और इसे रोकने के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) की सचिव एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रीतू ने की। कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी रीतू ने बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करने के लिए समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बचपन में विवाह करने के बजाय बच्चों की शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। शिक्षा ही वह साधन है जिससे बच्चे बड़े होकर अपने जीवन स्तर को बेहतर बना सकते हैं। शिविर के दौरान सभी उपस्थित छात्रों, शिक्षकों और स्टाफ सदस्यों ने बाल विवाह न करने और इसे न प्रोत्साहित करने की शपथ ली। इस अवसर पर बताया गया कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण गांवों में बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। लोगों को इसके दुष्प्रभावों और कानूनों की जानकारी देने के लिए जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने महिलाओं और समुदाय के अन्य लोगों से अपील की कि यदि उनके आसपास कहीं बाल विवाह हो रहा हो, तो इसकी सूचना तुरंत दें। उन्होंने आश्वासन दिया कि ऐसी घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और पीड़ित को हरसंभव मदद दी जाएगी। शक्ति अभियान के तहत, डीएलएसए ने विभिन्न विभागों जैसे जिला बाल संरक्षण इकाई, महिला एवं बाल विभाग, शिक्षा विभाग, बाल विवाह निषेध अधिकारी, और पुलिस विभाग के साथ मिलकर प्रयास शुरू किए हैं। इन विभागों की टीमें फरीदाबाद जिले के विभिन्न स्थानों पर जागरूकता शिविर आयोजित कर रही हैं।

कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि फरीदाबाद को बाल विवाह मुक्त जिला बनाया जाएगा और बच्चों को शिक्षित, सशक्त और गरिमापूर्ण जीवन जीने का अवसर दिया जाएगा।

Winter Internship-2025 for Media Students Concludes

Faridabad/Alive News

The Winter Internship-2025 organized by the Department of Communication and Media Technology, J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, concluded successfully. Students were awarded trophies and certificates for their outstanding work. The first-ever internship program, conducted by the Media Department, ran from January 8 to January 16. It provided students with practical training in photography, videography, editing, and the fundamentals of newspaper formatting. Dr. Pawan Singh, Chairperson of Department of Communication and Media Technology, stated that after reviewing the students' presentations in photography, videography, and editing, it is evident that the inaugural Winter Internship-2025 was highly fruitful. Efforts to learn, teach, and innovate never go in vain. He appreciated the students' work and motivated them for the future. In his address, Dr. Singh emphasized that making productive use of leisure time is an essential aspect of life management, and the Winter Internship-2025 is a step toward fulfilling this goal.

A total of 35 first-year students from BAJMC, B.Sc. VCMT, and MAJMC programs participated in this internship. Under the guidance of senior instructor Dushyant Tyagi, Production Assistants Pankaj Saini, and Anju Singh, the students received practical training in photography, videography, editing, news reading, formatting processes, and other basic techniques over the course of a week.

In his congratulatory message, Vice-Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar highlighted the Media Department's commitment to innovation, with the internship being a prime example. Dean Prof. Anuradha Sharma congratulated all participants, especially the winners, and extended her best wishes for their bright future.

Awardees of Winter Internship-2025

Best Multitasker: Vanya Dahaniya (B.Sc. VCMT), Multitasker: Anjali Vats (BAJMC), Best Portfolio: Tulika Ghosh, Best Photographer: Diksha Garg (B.Sc. VCMT), Best Videographer: Yogesh Lamba (MAJMC), Best Video Editor: Aman (B.Sc. VCMT),Most Disciplined Student: Simran Maurya (MAJMC)

The valedictory function was attended by the faculty members of the Department of Communication and Media Technology, including Dr. Taruna Narula, Dr. Sonia Hooda, and Dr. Akhilesh Tripathi. They praised the participants' work and congratulated them on their achievements. All participants were awarded certificates, while winners received trophies. Senior instructor Dushyant Tyagi expressed gratitude to everyone. Diksha Garg and Palak Singhal anchored the event.

DAV School NH3 celebrate Republic Day

Faridabad/Alive News

The Republic Day celebration at DAV Public School NH3 NIT Faridabad, was a grand and memorable event, bringing together students from classes Junior wing to class V to honor India's Republic Day. The event aimed to instill within the children the spirit of patriotism , national pride and foster a sense of unity among the young minds. Our National symbols were reinforced and little ones saluted the National Flag.

The event began with Gayatri Mantra followed by a series of engaging activities for the students. The tiny tots dressed as soldiers of the Armed Forces and National leaders added to the Patriotic fervour and charm to the celebration. The program began with a thoughtful speech delivered by

Shailey of Class II-(B) highlighting the importance of this day. Students of grade -I & II presented a group dance filled with the essence of patriotism. The children showcased their talent through series of activities and performances. Patriotic songs and Fun Quizzes on facts about our country India added zest to the celebration. Tri-colour activities were conducted to celebrate and acknowledge the significance of this historic day. The children were thrilled to take home Tri Color bands prepared by them during the different activities in school.Students from classes III – V participated in vibrant patriotic songs and dances. Trisha of Class IV and Samriddhi of Class V showcased their talent and displayed deep patriotism through their acts. The cooperation and enthusiasm displayed by all students and teachers contributed to making the day a memorable one.

The School Principal Jyoti Dahiya gave an appealing speech & told the children to feel pride in being Indian & wished them Happy Republic day. She also appreciated teachers, and students who participated in the ceremony, which set a solemn and patriotic tone for the day.

We look forward to continuing this tradition in the future and celebrating our nation's heritage with the same enthusiasm and spirit.

DAV School-37 celebrate Republic Day

Faridabad/Alive News

On January 23, 2025, the students of Class III E presented a special assembly on the theme "Republic Day." The assembly began with the hoisting of the National Flag by the School Principal, Deepti Jagota, and the Supervisory Heads of all the Segments.This was followed by the singing of the National Anthem.The cultural program commenced with a heartfelt poem recitation. It was followed by a vibrant dance performance and a melodious rendition of the song "Desh Rangeela," which beautifully showcased the unity and diversity of India.

On January 24, 2025 students of Classes I and II celebrated Republic Day with great enthusiasm and patriotism. They enjoyed a special tri-colour menu, which included rice, pasta, and salad, and participated in a fancy dress competition. In the competition, students dressed as their favourite freedom fighters, walked through the school corridors to showcase their costumes, and gave brief introductions about the freedom fighters they portrayed.In her address, the School Principal, Ms. Deepti Jagota, emphasized the significance of Republic Day. She also expressed her heartfelt gratitude to the Supervisory Head of the Primary and Pre-Primary Segments, Adarsh Sharma, along with all participants and staff members, for their dedication and efforts in making the celebration a grand success.

DAV School-37 Inter–House Sports Meet conducted

Faridabad/Alive News

To nurture Teamwork, Leadership and Team Spirit, D.A.V. Public School, Sector-37, organized Sports Tournament for classes III to V under the guidance of visionary and holistic leader, Principal Ms. Deepti Jagota. Students enthusiastically participated in Obstacle races, Yoga and Kho-Kho.The competitions were conducted under the supervision of Sports Team, keeping all the safety measures in mind. The day started with Gayatri Mantra, followed by the enchanting and captivating self –composed song performance by the music department. Yoga presentation was done by the winning team of Everest House. Spell Bound Dance Performance was showcased by the dance department. Everyone could hear slogans cheering for their respective teams. The atmosphere was filled with excitement and joy.

The school Principal, Ms.Deepti Jagota honoured the students with Gold, Silver and Bronze medals and shared her heartfelt appreciation and her inspiring words motivated the students.

Supervisory Head of the Primary Segment, Ms. Adarsh Sharma praised the staff's efforts in making this event a success.

The Sports Day turned out to be a tremendously successful event where all the students thoroughly enjoyed .The day was packed with engaging games creating unforgettable memories for students that they will cherish forever.

JC Bose University Pays Homage to Brave Martyrs

Faridabad/Alive News

In a heartfelt tribute to the brave martyrs of our nation, the Yuva For Seva Club of the Department of Communication and Media Technology at J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, organized an inspiring program titled "Shaurya Gathayen" as part of the pre-Republic Day celebrations. The event, held at Kalam Chowk within the university premises, saw students and faculty members come together to honor the martyrs through soulful songs, music, poetry, and Shayari.The program aimed to pay homage to the courageous martyrs and national heroes of our country, drawing inspiration from their sacrifices. The students' performances, which included poignant poems, stirring speeches, and patriotic songs, infused the entire campus with a spirit of patriotism.

These creative expressions not only moved the audience but also ignited a sense of national pride and duty.The Vice Chancellor of the University, Prof. Sushil Kumar Tomar, lauded the initiative and encouraged the students to draw inspiration from the lives of the brave fighters. He emphasized that the sacrifices of these great individuals remind us of our responsibilities and strengthen our resolve to love and serve our country. Dr. Pawan Singh, Chairperson of the Department of Communication and Media Technology, also graced the occasion and appreciated the students' enthusiastic participation. Program coordinator Dr. Akhilesh Tripathi highlighted that both students and teachers actively participated in the event, offering their heartfelt tributes to the martyrs and national heroes.

DAV School-49 celebrated 76th Republic Day

Faridabad/Alive News

DAV Public School, Sector-49, celebrated the 76th Republic Day with a grand special assembly filled with enthusiasm, patriotic spirit and cultural splendour.

The celebrations commenced with the unfurling of the national flag, a symbol of unity and national pride. The special assembly held in the auditorium began with an invocation to God. The event featured patriotic poems, mesmerising solo and group music and dance performances and a soulful flute rendition of Vande Mataram, filling the atmosphere with a sense of nationalism.

Adding a vibrant touch, the toddlers charmed everyone with delightful dances, rhymes and creative drawings of national symbols. Meanwhile, the young students engaged in a vibrant tricolour hand-painting activity, fostering a sense of unity and artistic expression. To honour achievements, prizes were awarded to students excelling in sports, music and co-curricular activities.

The highlight of the day was a heartfelt musical skit by the Primary Wing that paid a heartfelt tribute to the soldiers of India, leaving the audience emotional and proud. This was followed by a Haryanvi dance performance and a parade, both of which received thunderous applause.

In his address, Principal Shri Rajan Gautam highlighted the importance of Republic Day, emphasising the need for students to embrace their responsibilities as citizens and contribute actively to India's progress. He encouraged them to uphold the values enshrined in the Constitution and work towards a better future.

The programme concluded with the Shanti Path and a melodious rendition of the National Anthem on the guitar, leaving the audience brimming with pride and reverence for the nation. The event truly reflected the spirit of patriotism and unity, making it a memorable day for everyone present.

Manav Sanskar School celebrate 76th Republic Day

Faridabad/Alive News

A special assembly was organized in the school premises to celebrate the 76th Republic Day with patriotic fervor and enthusiasm. The event began with the solemn March Past by the senior wing students, who showcased discipline and unity while holding the tricolor high. Their synchronized movements and spirited participation filled the atmosphere with pride.Following the March Past, the National Flag was hoisted by our esteemed MD Sir, Principal Ma'am, and admin & mentor ma'am. The sight of the fluttering tricolor, accompanied by the singing of the National Anthem, evoked feelings of patriotism and unity among everyone present.

The cultural program commenced with a series of heartfelt speeches delivered by the junior wing students, emphasizing the sig-

nificance of Republic Day and the sacrifices made by our freedom fighters. Their words inspired the audience to uphold the values of justice, liberty, and equality as enshrined in the Constitution of India.A captivating patriotic dance performance by the students followed, reflecting the rich cultural heritage and diversity of our nation.

The performance was met with loud applause and appreciation from all.The assembly concluded with a motivational address by MD Mr. Yogesh Sharma, urged students to contribute towards building a strong and progressive nation. The celebration left everyone with a deep sense of pride and commitment to their duties as responsible citizens. It was truly a memorable day, fostering patriotism and unity among all participants. Principal Dr. Kaumudi Bhardwaj motivated students to serve country and follow the norm of service before self.

लोरिया फाउंडेशन ने बच्चों को बाटे गर्म वस्त्र, 13 साल से चल रहे जनहित कार्य

Faridabad/Alive News

लोरिया प्रगतिशील फाउंडेशन की तरफ से बीके सिविल अस्पताल में लेबर रूम और बच्चा वार्ड में मौजूद बच्चों को गर्मी और सर्दी के वस्त्र वितरित किए। यह कार्य बी. के अस्पताल में तैनात डॉक्टर शीला भगत और मैटर्न मधु तथा अन्य मेडिकल स्टाफ की उपस्थिति में किया गया। इस मौके पर लोरिया प्रगतिशील फाउंडेशन के अध्यक्ष कृष्णा अदलक्खा ने बताया कि फाउंडेशन सोशल कार्य करती है। अस्पताल में मंगलवार को 150 से अधिक ब्रांडेड कंपनी की ड्रेस और कंबल डोनेट किए। इस कड़ी में फाउंडेशन ने पिछले 13 सालों में करीब 10 हजार अस्थियों का गंगा में प्रभावित किया गया है। उन्होंने बताया कि संस्थाओं ने पहले से ही 12वीं तक के बच्चों को ट्रांसपोर्ट सहित निशुल्क शिक्षा, निशुल्क पुस्तकालय आदि की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इस मौके पर लोरिया प्रगतिशील फाउंडेशन के अध्यक्ष कृष्णा अदलक्खा, कविता अदलक्खा, प्राण शर्मा, राजेश गौतम, अर्चना गुप्ता, प्रियंका अग्रवाल, सीमा बोनी इत्यादि कई सदस्य मुख्य रूप से मौजूद रहे।

JC Bose University Celebrates Constitution Day

Faridabad/Alive News

J.C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, today organized an expert talk on "Hamara Samvidhan, Hamara Swabhiman," marking the beginning of a year-long campaign to celebrate the 75th anniversary of the adoption of the Constitution of India. The event was organized by the Dean Student Welfare office of the University.

The expert talk featured Dr. D.P. Bhardwaj, President of the Haryana Unit of Vidya Bharti, and Prof. Prasananshu from National Law University, New Delhi, as the resource persons. The session was presided over by Prof. Sushil Kumar Tomar, Vice-Chancellor of the

University. During the program, the preamble of the Constitution of India was read out, setting the tone for the discussions.

The program commenced with the traditional lighting of the lamp, followed by a warm welcome to the guest speakers. In his presidential address, Prof. Tomar emphasized the importance of fundamental duties, particularly highlighting the role of environmental protection in sustaining democracy. He urged the students to ensure the optimum utilization of resources to help reduce environmental pollution.

Prof. Prasananshu provided key insights into the Preamble of the Indian Constitution, outlining its values, objectives, and guiding principles. He described India as a Sovereign Socialist Secular Democratic Republic committed to Justice, Equality, and Liberty for its people. He praised the Indian Constitution as one of the best due to its flexible elements.

Dr. D.P. Bhardwaj highlighted the key ingredients of Sanatan Culture and Tradition in the Indian Constitution. He cited the failures of constitutions in neighboring countries and credited Dr. Bhimrao Ambedkar and the constituent assembly for drafting a constitution that remains relevant, stable, and successful 75 years after its adoption.

On this occasion, prizes were awarded to the winners of various debate and speech competitions. At the end of the program, Prof. Pradeep Kumar Dimri, Dean of Student Welfare, proposed the vote of thanks, expressing gratitude to all participants and attendees for their contributions to the success of the event.

एमडब्ल्यूसीडी ने 'पोषण भी पढ़ाई भी' अभियान के तहत दिया प्रशिक्षण

Faridabad/Alive News

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय (एमडब्ल्यूसीडी) ने 2023 में शुरू किए गए राष्ट्रीय 'पोषण भी पढ़ाई भी' अभियान के तहत पोषण भी पढ़ाई भी (पीबीपीबी) प्रशिक्षण में चल रही है। इस अभियान का उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एडब्ल्यूडब्ल्यू को सशक्त बनाना है, जो प्रारंभिक बाल विकास (ईसीडी) के प्रमुख सुविधा प्रदाता हैं, और इसके लिए उन्हें एक गहन 3-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण की सामग्री और प्रक्रिया को राष्ट्रीय लोक सहयोग और बाल विकास संस्थान (एनआईपीसीसीडी) ने एमडब्ल्यूसीडी के सहयोग से तैयार किया गया है। जिला कार्यक्रम अधिकारी मीनाक्षी चौधरी प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित रहीं और उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पूरे प्रशिक्षण अवधि के दौरान उत्साह दिखाने के लिए प्रेरित और सराहा। उन्होंने बताया कि यह 3-दिवसीय प्रशिक्षण पोषण और पढ़ाई और उनकी जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन पर आधारित था। पीबीपीबी प्रशिक्षण का उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों में पूर्व-स्कूल अनौपचारिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के शिक्षण कौशल को विकसित करने और उन्हें पोषण पर ध्यान केंद्रित करते हुए सुविधा प्रदाता के रूप में सशक्त बनाना है। टियर-2 पीबीपीबी प्रशिक्षण के पहले चरण में जिले के कुल 35 प्रतिशत आंगनवाड़ी केंद्र शामिल हैं, जिन्हें 100 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के 4 बैचों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक बैच को एसएलएमटी द्वारा रॉकेट लर्निंग टीम के सक्रिय समर्थन से 3 दिनों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।

फरीदाबाद में 21वीं पशुधन गणना के लिए अधिकारियों ने किया निरीक्षण

Faridabad/Alive News

21वीं पशुधन गणना 2024 का कार्य पूरे भारत में प्रारंभ हो चुका है। इसी क्रम में पशुधन गणना की प्रगति, निरीक्षण और फील्ड में आ रही चुनौतियों के समाधान हेतु सेक्टर-12 लघु सचिवालय के सभागार कक्ष में एक अहम बैठक आयोजित की गई।

बैठक में भारत सरकार और हरियाणा सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें प्रमुख रूप से केंद्रीय नोडल अधिकारी सलाहकार (सांख्यिकी) जगत हजारिका, पशुधन गणना 2024, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, नई दिल्ली संयुक्त आयुक्त (डीडी) चिन्मयजीत सेन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग उप निदेशक डॉ. सी आर मीना, संयुक्त निदेशक एवं राज्य नोडल अधिकारी निदेशालय हरियाणा डॉ. प्रेम सिंह, उप निदेशक फरीदाबाद डॉ. वीरेंद्र सहरावत शामिल थे। केंद्रीय नोडल अधिकारी जगत हजारिका ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य क्षेत्रीय निरीक्षण, प्रगणकों द्वारा की जा रही गणना की समीक्षा और फील्ड स्तर पर आने वाली चुनौतियों का समाधान करना था।

बैठक से पहले अधिकारियों ने फरीदाबाद के सेक्टर-88 के वार्ड नंबर-34 और गांव कमारा खुर्द का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने प्रगणकों द्वारा एकत्र किए जा रहे विवरणों का निरीक्षण किया और पशुधन गणना के फील्ड कार्य का आंकलन किया। फील्ड स्तर पर सामने आ रहीं समस्याओं, जैसे डिजिटल टूल्स का उपयोग, सटीक डेटा संग्रहण, और प्रगणकों की दक्षता में सुधार पर चर्चा की गई।हरियाणा राज्य नोडल अधिकारी डॉ प्रेम सिंह ने इन चुनौतियों का समाधान निकालने के लिए तत्काल कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि हरियाणा राज्य में पशु गणना के लिए कुल 1806 प्रगणकों को नामित किया गया है जिनका कार्य राज्य के 9003 गांव, वार्डों में प्रत्येक हाउसहोल्ड में घर द्वार जाकर पशु गणना संबंधित डाटा मोबाइल एप द्वारा इकट्ठा करना है तथा इस कार्य का पर्यवेक्षण करने के लिए 386 पर्यवेक्षक व 22 जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं द्य उन्होंने बताया कि अब तक 7,50,824 हाउस होल्ड का आंकड़ा संग्रहण कर लिया गया है।पशुपालन एवं डैरीइंग विभाग, फरीदाबाद उपनिदेशक डॉ वीरेन्द्र सहरावत ने भारत सरकार व राज्य मुख्यालय से आए अधिकारियों का स्वागत किया व जिला फरीदाबाद, पलवल, गुरुग्राम और नूंह जिलों का अब तक किया गया पशु गणना कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी द्य

यह बैठक 21वीं पशुधन गणना 2024 के प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन में एक महत्वपूर्ण कदम थी अधिकारियों ने पशुधन गणना के कार्य को सटीक और व्यवस्थित रूप से पूर्ण करने के लिए संबंधित विभागों और प्रगणकों को हरसंभव सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया।बैठक में उपमंडल अधिकारी डॉ सचिन धनकड़, जिला नोडल अधिकारी डॉ विनोद दहिया, डॉ अमनगीत (फरीदाबाद), डॉ महेंद्र सिंह (पलवल), डॉ रविन्द्र कुमार (गुरुग्राम), डॉ सतीश कुमार (नूंह) तथा जिला फरीदाबाद के पर्यवेक्षक और प्रगणकों ने भाग लिया।

सफाई कर्मियों को उपलब्ध कराएं आवश्यक उपकरण-कृष्ण कुमार

Faridabad/Alive News

हरियाणा राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष इंजीनियर कृष्ण कुमार ने कहा कि सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक को योजनाओं का लाभ प्रदान करने में अपना दायित्व निभा रही है, ऐसे में विभागीय अधिकारी सफाई कर्मचारियों को हर संभव मदद देते हुए मानवीय आधार पर उन्हें सेवाएं दें और सम्मान स्वरूप उनके साथ व्यवहार करें। कृष्ण कुमार शुक्रवार को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के कन्वेंशन हॉल में निगम और पंचायत विभाग के कर्मचारियों से रूबरू होने उपरांत अधिकारियों की बैठक ले रहे थे।

इंजी. कृष्ण कुमार ने बैठक में सफाई कर्मचारियों तथा उनके आश्रितों को सामाजिक, आर्थिक व शैक्षणिक जीवन में सुधार करने तथा सफाई कर्मचारियों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से चर्चा भी की। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को कहा कि सफाई कर्मचारियों को कार्य के दौरान आवश्यक उपकरण के उपलब्ध कराएं।

निगम जॉइंट कमिश्नर द्विजा ने इस मौके पर ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में कार्य कर रहे सफाई कर्मचारियों की सुविधा का ध्यान रखने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर सीईओ जिला परिषद सतबीर मान व निगम यूनियन के प्रधान बलवीर गुलेरिया भी मौजूद रहे।

फरीदाबाद में अवैध बाजार लगवाने वाले अधिकारी और कर्मचारियों पर जल्द गिर सकती है गाज

Faridabad/Alive News

शहर में अवैध बाजारों के संचालन पर नगर निगम ने सख्ती से कार्रवाई करने का फैसला किया है। ये बाजार सोमवार से रविवार तक अलग-अलग नाम से निगम की जमीन पर लगते हैं, जहां माफिया और मार्केट के दुकानदार रेहड़ी पटरी वालों से 500 से एक हजार रुपये तक वसूलते हैं। इन अवैध बाजारों की वजह से शहर में जाम की स्थिति बन जाती है और कई बाजारो में जुआ सट्टे के खेल भी चलते हैं। निगम ने इन बाजारों में लगने वाली दुकानों से तहबाजारी शुल्क वसूलने की योजना तैयार की थी, लेकिन अनुमति नहीं आने तक बाजारों को बंद करवाए जाने की बात कही जा रही है। निगम की कार्रवाई में उन कर्मचारियों और अधिकारियों पर भी गाज गिरनी तय मानी जा रही है, जिनकी इन बाजारों में मिलीभगत चल रही है। अवैध बाजारों के खिलाफ समाधान शिविर में लगातार शिकायतें आ रही हैं, जिसके बाद निगम ने यह कार्रवाई करने का निणर्य़ लिया है।

इन जगहों पर लगाया जा रहा अवैध बाजार

अवैध बाजारों का संचालन जवाहर कॉलोनी के 60 फुट रोड पर शनि बाजार, एसजीएम नगर सोम बाजार, धौज मंगल बाजार,सेक्टर 48 के सामने बुध बाजार, सेक्टर 55 गुरु बाजार,सेक्टर 23 मद्रासी मंदिर के सामने शुक्र बाजार, सेक्टर 52 नियर डिस्पोजल रवि बाजार लगाया जा रहा है।

एनआईटी विधायक ने डबुआ मंडी में बेहतर सुविधा देने की दिशा में उठाए कदम

Faridabad/Alive News

एनआईटी विधायक सतीश फागना ने आज सोमवार को डबुआ मंडी मार्केट कमेटी के साथ बैठक की, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में डबुआ मंडी के विकास, व्यापारियों की समस्याओं और मंडी में सुविधाओं के सुधार पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया।

विधायक ने अधिकारियों से मंडी में सुरक्षा, साफ-सफाई, पीने का पानी और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने की दिशा में कदम उठाने की अपील की। मीटिंग आगमन पर विधायक फागना का मण्डी मार्किट कमेटी के अधिकारियों ने बुक्के देकर स्वागत किया।

बैठक में व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को विधायक श्री फागना के समक्ष रखा, जिसमें अधिक पार्किंग की व्यवस्था, बिजली और पानी की आपूर्ति की समस्याए और मंडी में आवश्यक सुविधाओं की कमी पर चर्चा की गई। विधायक ने आश्वासन दिया कि वह इन समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के साथ मिलकर काम करेंगे और मंडी में आवश्यक सुधार करने की दिशा में प्रयास करेंगे। विधायक फागना ने यह भी कहा कि मंडी का विकास आढ़तियों और व्यापारियों के लाभ के लिए होना चाहिए और उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। विधायक ने इन सभी मुद्दों को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को शीघ्र समाधान के लिए निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मंडी में व्यापारियों और किसानों की सुविधा के लिए नई योजनाओं पर काम किया जाएगा। विधायक ने व्यापारियों से यह भी कहा कि वे अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए उनके साथ मिलकर काम करें, ताकि सब्जी मंडी का समग्र विकास हो सके और व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

बैठक में एसडीएम बडख़ल अमित मान, डीएमओ मार्केट कमेटी विनय यादव, मार्केट कमेटी सेक्रेटरी यदुराज, एसएचओ डबुआ थाना मंजीत, एसडीओ मार्केट कमेटी बोर्ड देवेंद्र, जेई मार्केट कमेटी बोर्ड अनिल सैनी, डबुआ मंडी प्रधान रणबीर पहलवान, आढ़ती हर्ष आहूजा, आढ़ती मनोज यादव, भाजपा नंगला मंडल के पूर्व अध्यक्ष कविन्द्र चौधरी, निर्वतमान पार्षद मुकेश डागर अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

जवाहर कॉलोनी खंड-बी के लोगों की भाजपा सरकार से सीवर के समाधान की दरकार

Swaranjali/Alive News

फरीदाबाद: वार्ड-6 जवाहर कॉलोनी के खंड-बी के लोग कई साल से सीवर जाम और पीने के पानी की समस्या से जूझ रहे है। जवाहर कालोनी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा कई बार इसकी शिकायत नगर निगम अधिकारियों को की हैं। लेकिन समस्या शिकायत के बाद भी ज्यों की त्यों बनी हुई है।

आरडब्ल्यूए के प्रधान दिनेश ने बताया कि जवाहर कालोनी खंड-बी की गलियों में सीवर लाइन का कोई ज्वाइंट नहीं है जिसकी वजह से सीवर का पानी ओवरफ्लो होकर गलियों में भरा रहता है। लोगों को घर से निकलने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

दिनेश ने बताया कि उस समय के पार्षद सुरेन्द्र अग्रवाल ने अपने कार्यकाल में सीवर लाइन बिछावाई थी लेकिन अभी तक सीवर लाइनों का ज्वाइंट मैन लाईन से नहीं किया गया है। प्रशासन की इस लापरवाही का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि नगर निगम के अधिकारी शिकायत करने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पीने के पानी जैसी मूलभूत सुविधा लोगों को नहीं मिल पा रही है जिसकी वजह लोगों को निजी टैंकरों का सहारा लेना पड़ रहा है।

क्या कहना है लोगों का

नगर निगम में अधिकारियों को शिकायत देने के बाद भी सीवर और पानी की समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। अधिकारी काम के नाम पर केवल खानापूर्ति कर रहे हैं। मैं भाजप सरकार और निगम अधिकारियों को चेता रहा हुं कि उनके क्षेत्र की समस्या का समाधान नही होता है तो गलियों में जमा सीवर के पानी में बीजेपी का झण्डा लहरायेगें।

-दिनेश, प्रधान-जवाहर कालोनी खण्ड-बी रैजीडेंट वैलफेयर एसो. फरीदाबाद।

निवर्तमान पार्षद सुरेन्द्र अग्रवाल के कार्यकाल में हमारे यहां सीवर लाइन बिछाई गई थी लेकिन अभी तक मैन लाईन से जोड़ी नही गई और अब वार्ड में समस्या सुनने वाला कोई नही है। पहले पार्षद होता था अब सरकार पार्षद के चुनाव भी लटका रही है तो जनता राम भरोसे है। जनप्रतिनिधि नही होने का खामियाजा भी जनता भुगत रही है।

-बिजेंद्र, निवासी-जवाहर कालोनी खण्ड-बी।

कालोनी खण्ड-बी की गलियों में सीवर का पानी बह रहा है और दूसरी तरफ लोगों को घर में पीने पानी की मूलभूत सुविधा भी नहीं मिल पा रही है। ऐसे में लोग कहा जाये।

-ओमप्रकाश, स्थानीय निवासी-जवाहर कालोनी खण्ड-बी।

मार्शल आर्ट बेल्ट प्रतियोगिता का आयोजन

Faridabad/Alive News

आर टू एफ मार्शल आर्ट एकेडमी फरीदाबाद द्वारा बल्लभगढ़ में बेल्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें दर्जनभर से ज्यादा खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ एकेडमी के जनरल सेक्रेटरी शियान दुष्यंत सैनी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर कोच दिवाकर सैनी भी मौजूद थे। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने मार्शल आर्ट का प्रदर्शन किया और अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया। शियान दुष्यंत सैनी ने बताया कि बेल्ट टेस्ट के दौरान खिलाडियों के हुनर को देखा गया। खिलाडियों की मेहनत के अनुसार उन्हें ब्लैक, येल्लो, ग्रीन, पिंक बेल्ट प्रदान की गई है। खिलाड़ियों को खेल के गुर सिखाए गए है। खिलाडियों को हमेशा खेल की भावना से खेलना चाहिए।

उन्होंने बताया कि खिलाडियों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया है। खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आने वाले समय में खिलाडी जिला स्तरीय व प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने माता पिता का नाम रोशन करेगें।

ब्लू बर्ड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में साइक्लोन क्रिकेट क्लब और यूके राइजिंग स्टार के बीच हुआ कड़ा मुकाबला

Faridabad/Alive News

गांव अलमपुर स्थित ब्लू बर्ड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (मैदान) में रविवार को ब्लू बर्ड कप के पहले सीजन का शानदार आगाज हुआ। टूर्नामेंट में 12 टीमें हिस्सा ले रही हैं। पहले मैच में यूके राइजिंग स्टार और साइक्लोन क्रिकेट क्लब के बीच मुकाबला हुआ। यूके राइजिंग स्टार के खिलाड़ी सचिन सोलंकी को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया है।

यूके राइजिंग स्टार ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 19 ओवर में 188 रन बनाए। दीपक माखिजा ने टीम के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए 35 गेंदों में 71 रन बनाए। जबकि साइक्लोन क्रिकेट क्लब 16 ओवर में ही 83 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। साइक्लोन टीम के कप्तान विनोद कुमार ने 17 रन बनाए। यूके राइजिंग स्टार के खिलाड़ी सचिन सोलंकी ने 11 गेंदों में 13 रन बनाए। सचिन ने 3 ओवर में 10 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट झटके। सचिन की गेंदबाजी के आगे साइक्लोन क्रिकेट क्लब के बल्लेबाज टिक नहीं सके। इस जीत के साथ यूके राइजिंग स्टार ने टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की है।

ब्लू बर्ड सीरीज के आयोजक ध्रुव दत्ता खिलाड़ी सचिन को मैन आफ दीं मैच देते हुए।

क्रिकेट को बढ़ावा के लिए सराहनीय पहल

ब्लू बर्ड कप जैसे टूर्नामेंट ग्रामीण क्षेत्रों में क्रिकेट को बढ़ावा देने की एक अनूठी पहल है। टूर्नामेंट खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान करना है। इससे युवाओं में खेलों के प्रति रूचि बढ़ेगी। आयोजक ध्रूव दत्ता का कहना है कि इस तरह के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को पहचान मिलेगी। वह राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह बनाने के लिए प्रेरित होंगे। ब्लू बर्ड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में क्रिकेट देखने के लिए भारी संख्या में दर्शक पहुंचे। चौके और छक्कों पर तालियों की गड़गड़ाहट से स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स गूंज उठा। खिलाड़ियों के

जिला रेड क्रॉस सोसाइटी और विक्टोरा फाउंडेशन ने टीबी मरीजों की दी सहायता

Faridabad/Alive News

जिला रेड क्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद द्वारा संचालित अन्नदान-महादान मुहिम के तहत, विक्टोरा ऑटो प्राइवेट लिमिटेड (सेक्टर 20ए, फरीदाबाद) में आर्थिक रूप से कमजोर तपेदिक (टीबी) के मरीजों को विशेष पोषाहार और कंबल वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला रेड क्रॉस सोसाइटी और विक्टोरा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, श्री एच.एस. बंगा (एमडी, विक्टोरा ऑटो ग्रुप) ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने के सपने को साकार करने का संकल्प व्यक्त किया। विशेष अतिथि, श्री अजय सोमवंशी (सीएसआर हेड, विक्टोरा ग्रुप) ने तपेदिक रोग के इलाज की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि यह लाइलाज नहीं है, बशर्ते दवाइयों का नियमित सेवन और सही उपचार किया जाए।

उन्होंने आश्वासन दिया कि विक्टोरा फाउंडेशन, भविष्य में भी जिला रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ सहयोग करेगा। साथ ही, उन्होंने बताया कि फाउंडेशन द्वारा आईएमटी फरीदाबाद में एक क्लीनिक संचालित किया जा रहा है, जहां मात्र 10 रुपये में स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध है।टीबी रोग की गंभीरता और बचाव पर चर्चाजिला रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव, श्री बिजेंद्र सौरोत ने बताया कि तपेदिक एक गंभीर संक्रामक रोग है, लेकिन यह सही समय पर उपचार और पोषक आहार से पूरी तरह ठीक हो सकता है। उन्होंने मरीजों को नियमित जांच और पौष्टिक आहार लेने की सलाह दी।

फरीदाबाद मंडल रोजगार कार्यालय पर 27 से 31 जनवरी तक बेरोजगारों के लिए व्यावसायिक मार्गदर्शन

Faridabad/Alive News

मंडल रोजगार अधिकारी अभिषेक ने बताया कि रोजगार विभाग हरियाणा द्वारा 27 जनवरी से 31 जनवरी तक व्यावसायिक मार्गदर्शन सप्ताह मनाया जा रहा है। जिसमें रोजगार अधिकारी अथवा अन्य विशेषज्ञों द्वारा बेरोजगार प्रार्थियों एवं विद्यार्थियों को करियर निर्माण से सम्बंधित मार्गदर्शन दिया जायेगा। इच्छुक प्रार्थी मंडल रोजगार कार्यालय फरीदाबाद के कमरा नंबर 508 पांचवे तल सेक्टर-12 लघु सचिवालय फरीदाबाद में संपर्क करें।

फरीदाबाद को मिलेगी बेहतर कनेक्टीविटी: प्रशासन की कालिंदी कुंज सड़क को चार लेन बनाने की तैयारी

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद की कालिंदी कुंज सड़क को चार लेन बनाने की परियोजना को गति मिल गई है। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग और फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण के बीच हुए एमओयू के बाद, यह परियोजना अब जल्द ही जमीन पर उतरने वाली है। इस परियोजना के पूरा होने से न केवल फरीदाबाद के निवासियों को राहत मिलेगी, बल्कि दिल्ली, नोएडा और ग्रेटर नोएडा से जुड़ने वाले वाहन चालकों को भी सुविधा होगी।

अब उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के अधिकारी यहां आएंगे और एमओयू की प्रति लेकर जाएंगे। एक-दो दिन में यह काम हो जाएगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग इस सड़क निर्माण के लिए टेंडर लगा देगा। फिर काम शुरू हो जाएगा।

सड़क के लिए दी जा रही जमीन रहेगी निःशुल्क

उम्मीद है कि फरवरी में काम शुरू हो जाएगा। जो जमीन सड़क के लिए दी जा रही है वह निःशुल्क रहेगी। जमीन पर मालिकाना हक उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग का रहेगा और इस पर सड़क बनाने के लिए पूरा पैसा एफएमडीए देगा। बीच में जब कभी मरम्मत की जाएगी तो वह एफएमडीए ही करेगा।

278 करोड़ की है यह पूरी परियोजना

इसके बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी और फिर काम शुरू हो जाएगा। बता दें सितंबर 2023 में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल से इस सड़क चार लेन बनाने की घोषणा की थी। सड़क चार लेन बनने के बाद रोज एक लाख से अधिक वाहन चालकों को राहत मिलेगी। यह पूरी परियोजना 278 करोड़ की है। इस परियोजना के तहत साहुपुरा चौक से पल्ला पुल तक 20 किलोमीटर लंबी चार लेन सड़क बनेगी।

यहां से होगी चार लेन सड़क

पल्ला पुल से यह सड़क दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का हिस्सा बन रही है जो आगे कालिंदीकुंज तक जा रही है। इसका निर्माण चल रहा है। सड़क के साथ ही 20 किलोमीटर लंबा फुटपाथ और साइकिल ट्रैक भी बनाया जाएगा। बीच में डेढ़ मीटर का डिवाइडर होगा।

लगाई जाएंगी स्ट्रीट लाइटें

वहीं, इस पर पेड़-पौधे व स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। सड़क के एक ओर ग्रीनबेल्ट भी विकसित की जाएगी। वाहनों के लिए दोनों लेन 15 मीटर चौड़ी होंगी। तीन मीटर चौड़ा साइकिल ट्रैक और 1.80 मीटर चौड़ा फुटपाथ बनेगा। इस सड़क पर छह जगह फ्लाईओवर भी बनेंगे।

इनमें आइएमटी, चंदावली, सेक्टर-8 बड़ौली, बीपीटीपी, खेड़ी कट व पल्ला शामिल हैं। फिलहाल जो दो लेन सड़क बनी है, इस पर एक और परत डाली जाएगी। सड़क की बगल में जो खाली जगह पड़ी है, वहां नए सिरे से सड़क बनाई जाएगी।

वहीं, साहुपुरा के पास यह सड़क नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जाने वाले हाईवे से जुड़ जाएगी। उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के सहायक अभियंता बृज किशोर ने बताया कि अब टेंडर प्रक्रिया शुरू कर सड़क का काम शुरू कर देंगे।

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448